08 अगस्त 2025

शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत ग्रामीणों ने उठाए बिजली व्यवस्था पर सवाल

2

सीजेआई केवल संदेशवाहक भर नहीं, उन पर न्याय व्यवस्था को बचाने की भी जिम्मेदारी : सुप्रीम कोर्ट

♦ मुख्य न्यायाधीश को किसी भी न्यायिक अनियमितता पर कार्रवाई करने का अधिकार

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सिर्फ एक पोस्ट ऑफिस नहीं हैं, बल्कि उन्हें शिकायतों पर न्यायपालिका में पारदर्शिता बनाए रखने की नैतिक जिम्मेदारी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को किसी भी न्यायिक अनियमितता पर कार्रवाई करने का अधिकार है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि सीजेआई केवल एक पोस्ट ऑफिस भर नहीं हैं, बल्कि उन पर यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि न्यायपालिका पारदर्शी, प्रभावी और संविधान के अनुरूप कार्य करे। शीर्ष कोर्ट ने कहा, हमें यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि सीजेआई केवल एक पोस्ट ऑफिस भर नहीं हैं, जो समिति से रिपोर्ट लेकर बिना कोई टिप्पणी या सिफारिश किए सीधे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को भेज दें। सीजेआई निसंदेह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अगर सबसे महत्वपूर्ण नहीं तो भी न्यायिक संस्थान की साख और हितों

को बनाए रखने की व्यापक व्यवस्था में उनकी भूमिका बेहद अहम है, ताकि यह तय किया जा सके कि कोई जज गलत आचरण में लिप्त हुआ है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला कर रहा था। वर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति ने एक रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें दिल्ली में उनके जज रहते हुए उनके सरकारी आवास से जली हुई नकदी के बंडल मिलने का जिक्र किया गया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए. जी. मसीह की बेंच ने कहा, प्रक्रिया के अनुसार जब किसी जज के खिलाफ कोई शिकायत मिलती है या उस हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से कोई रिपोर्ट आती है, जहां वह जज कार्यरत हैं, तो सीजेआई को उस शिकायत या रिपोर्ट की प्रकृति और उसके साथ संलग्न साक्ष्यों पर गंभीरता से विचार करना होता है। शीर्ष कोर्ट ने पाया कि पूरी प्रक्रिया पूरी सावधानी और नियमों के अनुसार अपनाई गई थी और इसी आधार पर उसने जज यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ नकदी बरामदगी मामले में दोषी ठहराने वाली आंतरिक जांच रिपोर्ट को अमान्य घोषित करने की मांग की थी। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर सीजेआई को लगता है कि किसी मामले में गहराई से जांच की जरूरत है, तो वह एक समिति गठित करने के लिए बाध्य होते हैं, जो आंतरिक जांच करे। बेंच ने कहा कि जांच रिपोर्ट में यह पाया जा सकता है या नहीं भी पाया जा सकता है कि जज के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उन पर कोई कार्रवाई की जानी चाहिए या नहीं। लेकिन अगर रिपोर्ट में आरोप गंभीर पाए जाते हैं, तो सीजेआई इस रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजने के लिए बाध्य होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट का कोई भी जज कानून से ऊपर नहीं

कोर्ट ने कहा, हमें ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि इस रिपोर्ट को आगे भेजते समय सीजेआई अपनी राय न दे सके।कोर्ट ने आगे कहा, देश के सीजेआई की एक बड़ी नैतिक जिम्मेदारी होती है कि वह सुनिश्चित करें कि देश की न्यायपालिका पारदर्शी, कुशल और संविधान के अनुसार काम करे। शीर्ष कोर्ट ने जजों को सतर्क रहने और अपने आचरण में विवेक लाने की सलाह दी। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका के हर स्तर के न्यायिक अधिकारी, विशेष रूप से उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के जज, देश की जनता के प्रति बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। कोर्ट ने कहा, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट का कोई भी जज कानून से ऊपर नहीं है। अगर कोई जज न्यायिक, प्रशासनिक या गैर-न्यायिक कर्तव्यों का पालन करते हुए ऐसे तरीके से कार्य करता है, जिससे न्यायिक जीवन के मूल्यों के उल्लंघन की शिकायत हो सकती है। तो ऐसे आचरण को सख्ती से नकारा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाखुश याचिकाकताओं या वकीलों की बेबुनियाद शिकायतों से बचना हमेशा संभव नहीं है, लेकिन इसके बावजूद किसी भी जज को ईमानदारी और मयार्दा के रास्ते से नहीं भटकना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, यह सोच कि महाभियोग के अलावा कोई

कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा में चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ देने का दावा

वोटर लिस्ट में की गई है गड़बड़ी : राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

राहुल का वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इस दौरान उन्होंने कई कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा में चुनाव आयोग पर बीजेपी के साथ देने का दावा भी किया। इसको लेकर राहुल ने दिल्ली के इंदिरा भवन ने 1 घंटे 11 मिनट के प्रजेंटेशन दिया। अब इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है।

इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहले एउक जबाव देता था, आज जब कोई एउकसे सवाल पूछता है तो वो जवाब नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के नुमाइंदे की तरह उलटे इल्जाम लगाता है, विपक्षी पार्टियों की मांगों पर गौर किये बिना केवल अनर्गल बयानबाजी करता है। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने भी राहुल का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर-के ही चुनाव जीतती है। राहुल ने डेटा के साथ इसे रखा है। सीपीआई सांसद पी. संतोश कुमार ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप पूरे विपक्ष की ओर से हैं। चुनाव आयोग भाजपा को सपोर्ट कर रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गेः एक वक्त था जब भारत के चुनाव आयोग की

वाहवाही पूरे विश्व में होती थी। कितने ही देश हमारे चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव करवाने करने की ट्रेनिंग लेते थे। जब कोई राजनीतिक दल चुनाव आयोग से सवाल पूछता था वो संविधान की मयार्दा के दायरे में उसका जवाब या स्पष्टीकरण देते थे। फॉर्म -6 से फजीर्वाड़ाः 70 साल की शकुन रानी ने एक महीने के अंदर दो बार वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए फॉर्म 6 भरा।

एक बार उनकी तस्वीर दूर से खींची गई थी। दूसरी बार उन्होंने जूम करके तस्वीर लगाई। फॉर्म 6 वह फॉर्म है जिससे कोई भी नया मतदाता, यानी जिसने पहले कभी वोटर कार्ड नहीं बनवाया है। वह अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आवेदन करता है। महाराष्ट्र में हमने सार्वजनिक रूप से चुनाव आयोग को बताया था कि पांच महीने में जितने नए वोटर जोड़े गए, वो पिछले पांच सालों में जोड़े गए कुल वोटर्स से भी ज्यादा थे, जिससे संदेह पैदा हुआ। नए वोटरों की संख्या तो महाराष्ट्र की आबादी से भी ज्यादा हो गई, जो बेहद हैरान करने वाली बात थी। फिर पांच साल बाद अचानक मतदान प्रतिशत में बड़ा उछाल आया। विधानसभा चुनावों में हमारा गठबंधन पूरी तरह से साफ हो गया, जबकि कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में यही गठबंधन जीत गया था। यह बहुत ही संदेहास्पद था। महाराष्ट्र में राज्य स्तर पर हमने देखा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए वोटर जुड़ गए थे। इसकी शिकायत चुनाव आयोग से भी की गई। राज्य में 40 लाख फर्जी वोटर का पता लगाया गया। जिनके पते गलत थे या ऐसे पते थे जिनका कोई वजूद नहीं था या फिर वे उन पतों पर नहीं मिले।

राहुल लिखित में प्रमाणित करें : ईसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने उन्हें पत्र लिखकर शपथपत्र के साथ प्रमाण मांगे हैं। राहुल ने अयोग्य नामों के जुड़ने और योग्य नामों के हटने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग ने उनसे संबंधित मतदाताओं के नाम देने को कहा है ताकि जरूरी कार्रवाई की जा सके। मामला अब सियासी विवाद बन गया है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूचियों में गड़बड़ी को लेकर लगाए गए आरोपों के बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी ने उन्हें पत्र लिखकर जवाब मांगा है। इस पत्र में उनसे कहा गया है कि वह निर्वाचन नियमों के तहत शपथपत्र भरकर उन मतदाताओं के नाम दें, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया है कि या तो वे अयोग्य होकर भी सूची में हैं या योग्य होते हुए भी सूची से बाहर कर दिए गए हैं।राहुल गांधी ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य राज्यों की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि लाखों ऐसे नाम जोड़े गए हैं, जो अयोग्य हैं और वहीं लाखों योग्य मतदाताओं के नाम सूची से गायब कर दिए गए हैं। राहुल ने इसे 'वोट की चोरी' बताया और कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता अब सवालों के घेरे में है। चुनाव आयोग ने मांगा लिखित प्रमाण कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि निर्वाचन नियमों के तहत, अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची की वैधता पर सवाल उठाता है, तो उसे लिखित में विवरण देना होता है। पत्र में राहुल से अपेक्षा की गई है कि वे नियम 20(3) तहत शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर ऐसे मतदाताओं के नाम उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दावों की जांच की जा सके और यदि आवश्यक हो तो कानूनी कार्रवाई भी शुरू की जा सके।राहुल गांधी के इन आरोपों से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ कर्नाटक या महाराष्ट्र की बात नहीं है, बल्कि पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हार की आहट से बौखला गई है।

प्रयागराज में बदमाश ढेर, एसटीएफ पर 30 गोलियां चलाई

प्रयागराज। प्रयागराज में यूपी एसटीएफ ने झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर छोटू धनबादिया उर्फ आशीष रंजन को ढेर कर दिया। आशीष रंजन पर 4 लाख रुपए का इनाम था। एसटीएफ इंस्पेक्टर प्रयागराज जेपी राय ने बताया- आशीष एमपी के रास्ते शंकरगढ़ पहुंचा था। सर्विलांस से उसकी लोकेशन ट्रेस हुई। शंकरगढ़ के शिवराज चौराहे पर घेराबंदी की गई। यहां बाइक से आशीष रंजन आता हुआ नजर आया। रळऋ ने उसे रोकने की कोशिश की। पुलिस को देख उसने गाड़ी की स्पीड तेज कर ली। एसटीएफ ने उसका पीछा किया। कुछ दूर जाकर उसने एके-47 से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। टीम ने क्रॉस फायरिंग की। इसमें गोली आशीष रंजन को लग गई। खून से लथपथ होकर वहीं गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसटीएफ के मुताबिक, 10 मिनट तक मुठभेड़ चली। 46 राउंड फायरिंग हुई। इसमें से 16 राउंड फायरिंग एसटीएफ ने की। बदमाश के पास से एके-47, पिस्टल और 9 कारतूस मिले हैं। एसटीएफ के मुताबिक, टीम को खबर मिली कि झारखंड का मोस्टवांटेड अपराधी आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू अपने साथी के साथ प्रयागराज में बड़ी वारदात को अंजाम देने आ रहा। टीम ने तुरंत उसे पकड़ने की योजना बनाई। कुछ ही देर में बाइक से दो लोग आते दिखाई दिए।

गलती किसी और की, जवाब मुझसे : तेजस्वी

एजेंसी/पटना

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के नोटिस पर कसा तंज, कहा- बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एक अहम बैठक है, जिसमें मैं शामिल होऊंगा।

इसके अलावा रक्षाबंधन भी है और मेरी बहन दिल्ली में रहती है, तो उससे मिलने भी जा रहा हूं। तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग की तरफ से मिलने वाले नोटिस पर जवाब देते हुए कहा कि मुझे चुनाव आयोग की ओर से कोई नोटिस नहीं मिला है। हमें सिर्फ अनुमंडल पदाधिकारी के स्तर से नोटिस मिला है, जिसका जवाब हम दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सवाल यह है कि आखिर दो एढक्ळ नंबर किसने जारी किए? जिसने जारी किए, वही अब हमसे सवाल कर रहा है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि गलती किसी और की है, फिर भी जवाब मुझसे मांगा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विदेश नीति और आर्थिक फैसलों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ा दिया है, लेकिन भारत सरकार की तरफ से इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि देश को आर्थिक नुकसान हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप 28 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी भी इस पर जवाब नहीं दिया। अब यही लोग बिहार आकर कहेंगे कि हम ह्यविश्वगुरुह्ण बन गए हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि देश कैसे चल रहा है।

वाहन खाई में गिरने से सीआरपीएफ के दो जवानों की मौत, 16 घायल

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सीआरपीएफ जवानों की गाड़ी खाई में गिर गई है। इस हादसे में दो जवानों की मौत हो गई है जबकि 16 घायल बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है।जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बसंतगढ़ के पास कंडवा इलाके में एक गंभीर सड़क दुर्घटना हुई है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 187वीं बटालियन के एक वाहन में सवार 18 जवान दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरे। इस हादसे में दो जवानों की मौत हो गई है, जबकि 16 अन्य घायल हुए हैं।घायलों को तुरंत कमांड अस्पताल ले जाया जा रहा है। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है और मौके पर रेस्क्यू टीमें मौजूद हैं। स्थानीय लोग भी स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने इस दुखद हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि डीसी सलोनी राय से बातचीत की है, जो स्थिति पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रही हैं और उन्हें लगातार जानकारी दे रही हैं। हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने अपने खिलाफ महाभियोग की सिफारिश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि उनका आचरण विश्वास योग्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी थी। यह सिफारिश सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट और तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा

की गई थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास पैदा करने योग्य नहीं है, इसलिए उनकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि इन-हाउस जांच प्रक्रिया असंवैधानिक है और यह संसद के विशेषाधिकार को कमजोर करती है, क्योंकि जजों को हटाने का अधिकार केवल संसद को है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जांच समिति ने उन्हें उचित सुनवाई का अवसर नहीं दिया और साक्ष्यों की अनदेखी की हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन-हाउस प्रक्रिया को पूर्ववर्ती निर्णयों में वैध ठहराया जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने समिति की रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजकर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की सीजेआई सिर्फ एक डाकघर नहीं होता।

हरियाणा और उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने से जलस्तर में हुई वृद्धि

दिल्ली में कभी भी आ सकती है बाढ, यमुना खतरे के निशान के पार

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है, जो 204.88 मीटर तक पहुंच गया है। हरियाणा और उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने से जलस्तर में वृद्धि हुई है। निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, और अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं।नई दिल्लीः

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिससे अब बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। ताजा जानकारी के मुताबिक दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर अब 204.88 मीटर पर पहुंच गया है जो कि खतरे के निशान से 0.38 मीटर अधिक हो गया है। इससे पहले दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर पुराने रेलवे पुल के पास बुधवार शाम चार बजे 204.13 मीटर के निशान तक पहुंच गया था।

अधिकारियों के मुताबिक यमुना के जलस्तर में वृद्धि संभवतः हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में वर्षा और हथिनीकुंड बैराज से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण हुई है। नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि का प्रमुख कारण हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी है।हथनी कुंड बैराज से 31827 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वहीं, वजीराबाद बैराज से 42440 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। जबकि, ओखला बैराज से 41527 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं। ऊपरी धारा से कम पानी छोड़े जाने पर भी यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है, जो दिल्ली में खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है।

सीतामढ़ी में जानकी धाम शिलान्यास से पहले पंचमुखी हनुमान मंदिर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया हवन पूजन

जानकी धाम के निर्माण से पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : हिमांशु

केटी न्यूज/बक्सर

माता जानकी की प्राकट्य स्थली सीतामढ़ी में प्रस्तावित भव्य जानकी धाम मंदिर निर्माण की पूर्व संध्या पर बक्सर में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में भव्य पूजन और उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के दर्जनों सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नगर अध्यक्ष (पश्चिमी) अजय वर्मा ने जबकि संचालन नगर अध्यक्ष (पूर्वी) ज्वाला सैनी ने किया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता हिमांशु चतुर्वेदी के संयोजन में किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं और सनातन धर्मावलंबियों ने बिना किसी विघ्न के जानकी मंदिर निर्माण कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हो, इसके लिए भगवान श्री हनुमान की पूजा अर्चना की और भजन-कीर्तन के माध्यम से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। गौरतलब है कि अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सीतामढ़ी के पुनौराधाम में 57 एकड़ भूमि पर जानकी धाम परिसर के निर्माण की योजना है। इस परियोजना के अंतर्गत जानकी मंदिर के पुनर्विकास के साथ-साथ तीर्थयात्रा गलियारा, सीता वाटिका, लव-कुश वाटिका, नया परिक्रमा पथ, कैफेटेरिया, बच्चों के लिए खेल का मैदान और कियोस्क का निर्माण भी किया जाएगा। प्रस्तावित दिव्य मंदिर में श्रेष्ठ मकराना पत्थरों का उपयोग किया जाएगा, जो इसे स्थापत्य की दृष्टि से भी अद्वितीय बनाएगा। भाजपा नेता हिमांशु चतुर्वेदी ने इस अवसर पर कहा कि जानकी धाम का निर्माण न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि यह क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय पर्यटन को भी गति देगा। उन्होंने बताया कि इस मंदिर परिसर से विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि होगी, जिससे विदेशी मुद्रा की प्राप्ति के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास, स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा और कर राजस्व में वृद्धि से सरकार की विकास योजनाओं को भी बल मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के धार्मिक स्थलों का विकास केवल आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण क्षेत्रों एवं पिछड़े समुदायों के लिए यह एक नई आशा की किरण बनकर उभरेगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से पुजारी राजेश पांडेय, लोजपा (रामविलास) जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, जदयू नेता प्रेम मिश्रा, नगर अध्यक्ष संजय चौधरी, धनंजय त्रिगुण, मनोज पांडेय, राजेश सिन्हा, अमर जायसवाल, सुशील राय, जय प्रकाश राय, प्रमोद बाबा, शशांक शेखर, सौरव तिवारी, पूर्व सैनिक संघ के जिला उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे, रंजन तिवारी, और रोहित मिश्रा समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। पूजन अनुष्ठान प्रसिद्ध आचार्य छविनाथ त्रिपाठी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जानकी माता, जिन्हें हम धरती पुत्री मानते हैं, उनके नाम पर बनने वाला यह भव्य मंदिर समस्त भारतवासियों के लिए गौरव और आस्था का प्रतीक बनेगा। उपस्थित जनसमुदाय ने जय श्री राम, जय श्री सीताराम और जय हनुमान के उद्घोष से वातावरण को धर्ममय और भक्तिमय बना दिया।

खेत में पटवन करने गये किसान की करंट की चपेट में आने से मौत

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत रसूलपुर गांव में गुरुवार को हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। खेत में सिंचाई के लिए बोरिंग चालू करते समय करंट की चपेट में आकर 45 वर्षीय किसान विनोद सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वे जनार्दन सिंह के पुत्र थे और अपने खेत में अकेले ही काम कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विनोद सिंह खेत की सिंचाई के लिए मोटर चालू कर रहे थे, तभी अचानक करंट प्रवाहित तार उनके संपर्क में आ गया। करंट इतना तीव्र था कि उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी जान चली गई। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि ग्रामीणों में भी गहरा शोक व्याप्त है। घटना की सूचना पर राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटना को लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच, क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य पूजा देवी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। उन्होंने प्रशासन से भी अपील की कि पीड़ित परिवार को त्वरित मुआवजा और राहत सहायता दी जाए। इस हादसे के बाद गांव में बिजली व्यवस्था को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। ग्रामीणों ने कहा कि खेतों में उपयोग हो रही बिजली व्यवस्था बेहद असुरक्षित है। उन्होंने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता तो यह दुखद घटना टाली जा सकती थी। गांव के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मृत किसान के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए ताकि वे इस कठिन समय में अपने जीवन यापन के लिए कुछ सहारा पा सकें। साथ ही खेतों में सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था की बदहाली को उजागर कर दिया है। किसान जो पहले ही प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, अब असुरक्षित बिजली आपूर्ति की वजह से अपनी जान गंवा रहे हैं। जिस कारण उनमें आक्रोश व्याप्त है।

डुमरांव के नये थानाध्यक्ष संजय सिन्हा ने ग्रहण किया पदभार

डुमरांव। डुमरांव के नये थानाध्यक्ष संजय सिन्हा ने पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने कहा कि डुमरांव में कानून व्यवस्था सुधारना तथा शराब तस्करी पर लगाम लगाना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि इलाके में वाहन गश्त तेज किया जाएगा। फरार अपराधियों व वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। बता दें कि पूर्व थानाध्यक्ष शंभू भगत का तबादला होने के बाद से डुमरांव थाना प्रभार में चल रहा था। विधि व्यवस्था संधारण के लिए एसपी शुभम आर्य ने संयज सिन्हा को यहा का नया थानाध्यक्ष बनाया है। संजय सिन्हा इसके पूर्व बक्सर नगर थाने का पदभार भी संभाल चुके है।

पोलस्त कुमार बने डुमरांव के नये एसडीपीओ

डुमरांव। बिहार प्रशासनिक सेवा 2013 बैच के अधिकारी पोलस्त कुमार को डुमरांव का नया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है। वे इसके पहले बिहार विशेष सैन्य पुलिस -18 (बिसैप-18) में बतौर पुलिस उपाधीक्षक के पद पर तैनात थे। गुरूवार को गृह विभाग (आरक्षी शाखा) ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना में डीएसपी रैंक के कुल 26 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। बता दें कि पिछले सप्ताह ही डुमरांव के पूर्व एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी का तबादला डुमरांव से अश्वारोही पुलिस आरा में हो गया था। उनके जाने के बाद से डुमरांव एसडीपीओ का पद प्रभार में चल रहा था। लेकिन, राज्य सरकार ने अब यहां स्थायी एसडीपीओ की तैनाती कर दी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि वे जल्दी ही डुमरांव एसडीपीओ का पदभार ग्रहण करेंगे। बता दें कि पिछले एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी बेहद ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ पुलिस पदाधिकारी रहे। वे आम जनता से सीधे मिलते थे तथा उनकी समस्याओं को आसानी से सुलझा जनता के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। ऐसे में नये एसडीपीओ से भी अनुमंडलवासियों को कई अपेक्षाएं रहेंगी। खासकर पिछले एसडीपीओ के कार्यकुशलता, ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा जैसे गुणों की खोज जनता को नये एसडीपीओ में जरूर रहेगी। वैसे पुलिस सूत्रों का कहना है कि पोलस्त कुमार तेज तर्रार पुलिस पदाधिकारी है तथा वे भी पुलिस-पब्लिक फ्रेंडली को बढ़ावा देने वाले अधिकारी है। अब देखना है कि नये एसडीपीओ आम जनता की अपेक्षाओं पर कितने खरे उतरते है।

ट्रेन से कटकर सीआरपीएफ सब इंस्पेक्टर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कृष्णाब्रह्म। दानापुर-बक्सर रेलखंड के टुड़ीगंज स्टेशन पर गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें सीआरपीएफ के एक सब इंस्पेक्टर की ट्रेन से कटकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बासुदेवा थाना क्षेत्र के आथर गांव निवासी 50 वर्षीय रमेश सिंह के रूप में की गई है। घटना उस वक्त हुई जब आरा-वाराणसी पैसेंजर ट्रेन अप लाइन पर टुड़ीगंज स्टेशन से खुल रही थी। इसी दौरान सब इंस्पेक्टर रमेश सिंह ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे कि अचानक उनका पैर फिसल गया और वे ट्रेन के नीचे आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बक्सर से पहुंची रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। बाद में शव का परीक्षण कर परिजनों को सौंप दिया गया। रेल पुलिस के अपर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

बक्सर में कांग्रेस की रणनीतिक बैठक संपन्न

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बक्सर परिसदन में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त बिहार विधानसभा प्रभारी मनीष यादव मौजूद रहे। इस अवसर पर बक्सर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस प्रभारी और अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी चुनावी रणनीति और कांग्रेस की गारंटी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अपने संबोधन में विधायक मनीष यादव ने कहा कि बक्सर जिले में कांग्रेस कार्यकताओं का जोश, प्रतिबद्धता और राहुल गांधी के संकल्पों के प्रति समर्पण सराहनीय है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार चुनाव से पहले गरीब, वंचित और असहाय लोगों पर केंद्र का रवैया दमनात्मक है, लेकिन कांग्रेस हर मतदाता तक पहुंचकर इसके खिलाफ आवाज उठाएगी।

उन्होंने कांग्रेस के प्रमुख वादों को दोहराते हुए कहा कि पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश में 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 1500 दिव्यांग पेंशन, महिलाओं को 2500 मासिक सहायता, 25 लाख तक का मुफ्त इलाज और भूमिहीनों को आवास योजना जैसे वादे प्राथमिकता से लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है, वह करती है।

इस अवसर पर बक्सर विधायक संजय कुमार तिवारी, चैनपुर विधायक विश्वनाथ राम, महिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मला देवी, त्रिलोकीनाथ मिश्रा, जय राम राम, राजू वर्मा, संजय दुबे, प्रो. पी.के. मिश्रा, सत्यदेव ओझा, इं. रामप्रसाद द्विवेदी, आशुतोष त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सशक्त स्थायी समिति के दो सदस्यों को हटाकर दूसरे को रखा गया

- सशक्त स्थायी समिति में तीन वार्ड पार्षदों को सदस्य के रूप में रखा जाता है

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद के प्रशासनिक और क्रियान्वयन कार्यों को संपादित करने के लिये पांच सदस्यीय सशक्त स्थायी समिति का गठन किया गया था। नगर पालिका अधिनियम के तहत दो सदस्यों को हटाते हुए उनके स्थान पर नये दो सदस्यों को रखा गया है। कार्यवाहक सभापति विकास ठाकुर के द्वारा इसकी अधिसूचन जारी कर दी गई है।

सशक्त स्थायी समिति की सदस्य रही वार्ड 24 की शाहीना परवीन और वार्ड 34 के धनजी कुमार को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इनके स्थान पर नये सदस्य के रूप में वार्ड 15 की पार्षद मीना देवी और वार्ड 30 की वार्ड पार्षद भागमनी देवी को सशक्त स्थायी समिति का सदस्य बनाया गया है। अब पांच सदस्यीय टीम में इन दो वार्ड पार्षदों के अलावे पहले से नामित सदस्यों में वार्ड 29 के पार्षद विजय कुमार होंगे। इसकी अधिसूचना कार्यवाहक सभापति विकास ठाकुर के द्वार जारी कर दिया है। जारी अधिसूचना को सभी नप ईओ, एसडीओ, डीएम एवं नगर विकास विभाग के सचिव को भेजी जा चुकी है। इसकी अधिसूना जारी होते ही नगर में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है।

त्रिपुर सुंदरी मां भगवती का वार्षिक पूजनोत्सव आज, तैयारी पूरी

- शाहाबाद के इकलौते तांत्रिक मंदिर में शुमार है यह मंदिर

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के लालाटोली रोड स्थित राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मां भगवती मंदिर का वार्षिकोत्सव पूजन आज यानी शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनेगा। आयोजकों द्वारा इसकी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। बताया जाता है कि राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी का यह मंदिर पूरे शाहाबाद का इकलौता तांत्रिक मंदिर है, जहां दस महाविद्या व पंच भैरव के पूजन का इकलौता तांत्रिक मंदिर है, जहां साधकों की मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी की प्रतिमा के अलावा बगलामुखी माता, तारा माता, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, कमला, षोडसी, मातंगी समेत दस महाविद्याएं तथा दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमाएं भी स्थापित हैं। तंत्र साधना करने वाले श्रद्धालु यहां दूर-दूर से साधना के लिए आते है। मंदिर के साथ ही कई मान्यताएं जुड़ी है। कहा जाता है कि पूर्ण रूप से इस तांत्रिक मंदिर में निस्तब्ध निशा में मूर्तियों से आवाज आती है। पुजारी किरण मिश्रा ने बताया कि करीब 450 वर्ष पूर्व इस मंदिर की स्थापना हुई थी। इस मंदिर में कलश स्थापना नहीं होता और सूखे मेवे का ही प्रसाद चढ़ाया जाता हैं। वार्षिकोत्सव पूजन पर दूर-दराज से भी श्रद्धालु आते हैं। इस दिन विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंदिर कमिटी के सदस्यों के साथ महिला व पुरुष पुलिस बल के जवान तैनात रहेंगे।

वार्षिक पूजनोत्सव को ले भगवती मंदिर के श्रद्धालुओं में उत्साह व्याप्त है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर के वार्षिकोत्सव में शामिल होंगे। अनोखी मान्यताओं के साथ ही मनोकामना पूरी करने के लिए विख्यात इस मंदिर में पूरे शाहाबाद क्षेत्र से साधक व श्रद्धालु आते है।

पुजारी किरण मिश्रा ने बताया कि वार्षिक पूजा की तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि पूरे तांत्रिक विधान से माता राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी भगवती का वार्षिक पूजनोत्सव किया जाएगा।

सामान्य श्रेणी के लिए कुल 125 अभ्यर्थियों के मुकाबले मात्र 11 का हुआ है चयन, रोस्टर पर सवाल उठा रहे है अभ्यर्थी

होम गार्ड भर्ती में अनियमितता का आरोप, सामान्य श्रेणी में एक प्रतिशत से भी कम

गड़बड़ झाला

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में होमगार्ड भर्ती को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जहां एक ओर बहाली प्रक्रिया अंतिम चरण में है, वहीं दूसरी ओर सफल अभ्यर्थियों की जारी की गई औपबंधिक सूची को लेकर सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों ने गंभीर आपत्तियां जताई हैं। आरोप है कि सूची में भारी अनियमितता हुई है, जिसके कारण सामान्य वर्ग के वास्तविक योग्य अभ्यर्थी चयन से वंचित रह गए हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, बक्सर जिले में होम गार्ड के लिए कुल 125 पद सामान्य श्रेणी के लिए निर्धारित थे, जिसमें से 44 पद महिलाओं के लिए आरक्षित रखे गए थे। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से फिजिकल टेस्ट के बाद जारी औपबंधिक सूची में केवल 11 सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी ही चयनित हो पाए हैं। शेष सीटों पर ईडब्लूएस, एससी, एसटी, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। जिससे रोस्टर पर सवाल खड़ा हो रहा है।

जांच की मांग तेज : वहीं अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सूची को जांच के दायरे में नहीं लाया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि यदि उनकी मांगें नहीं सुनी गईं, तो वे हाईकोर्ट तक का रुख करेंगे। बक्सर जिले में होम गार्ड की बहाली को लेकर छिड़ा यह विवाद केवल सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की नाराजगी नहीं, बल्कि चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मुद्दे को किस प्रकार से सुलझाता है और क्या

आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे अभ्यर्थी

सूची जारी होते ही कई सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और वहां पर आवेदन देकर बहाली प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया। इंदू मंसूरी, मनीष कुमार और रम्पत कुमार सहित अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि शारीरिक दक्षता परीक्षा के हर आयाम दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद और ऊंची कूद के लिए अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। उदाहरण के लिए, पांच फीट ऊंची कूद करने पर चार अंक और छह फीट करने पर पांच अंक निर्धारित था। इन मानकों के अनुसार उन्होंने कुल 15 अंक अर्जित किए, फिर भी उन्हें सूची से बाहर कर दिया गया, जबकि कुछ अन्य अभ्यर्थियों का चयन हो गया, जिनके भी इतने ही अंक थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अन्य जिलों में इन गतिविधियों के अंक अलग-अलग रूप में प्रदर्शित किए गए हैं, जबकि बक्सर में कुल अंकों को एक साथ जोड़कर घोषित किया गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या कहते है अधिकारी

विवादों के बीच होम गार्ड कमाडेंट एवं डीएसपी विनोद यादव ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि अनारक्षित श्रेणी में सभी वर्गों के अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। यदि किसी अन्य वर्ग के अभ्यर्थी ने ज्यादा अंक अर्जित किए हैं, तो उन्हें सामान्य श्रेणी में चयनित किया जाना नियम के अनुसार है। यह भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि औपबंधिक सूची में गड़बड़ी के आरोप निराधार हैं और किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। सभी चयन प्रक्रिया निर्धारित मानकों के आधार पर की गई है।

पारदर्शिता पर उठे सवाल

अभ्यर्थियों का कहना है कि औपबंधिक सूची में अंक विवरण स्पष्ट नहीं किया गया है और चयन प्रक्रिया में एकरूपता नहीं बरती गई है। उनका दावा है कि यह प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण है और कई योग्य सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को जानबूझकर बाहर कर दिया गया है। एक अभ्यर्थी ने बताया कि हमने पूरी मेहनत से फिजिकल टेस्ट पास किया और तय मानकों के अनुसार अंक प्राप्त किए। फिर भी हमें बाहर कर दिया गया, जबकि अन्य को उन्हीं अंकों पर चयनित कर लिया गया। यह कैसे संभव है।

गांव से टूटा संपर्क : गंगा के रौद्र रुप से छोटी नदियों में भारी उफान

- स्थिर है गंगा व कर्मनाशा का जल स्तर, फसल डूबने से बढ़ी किसानों की चिंता

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित तिवाय गांव इन दिनों जलप्रलय की चपेट में है। गंगा नदी का जलस्तर भले ही स्थिर बना हुआ है, लेकिन इसकी सहायक नदियों ने अब लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पहले कर्मनाशा ने तबाही मचाई, अब धर्मावती नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। नदी के बढ़ते जलस्तर और लगातार हो रही बारिश ने इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। सबसे अधिक संकट तिवाय गांव के निवासियों पर मंडरा रहा है। गांव को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग करीब दो फीट पानी में डूब चुका है। ग्रामीणों के अनुसार, लगभग 100 मीटर तक सड़क पूरी तरह जलमग्न है। बाइक और साइकिल जैसे हल्के वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर जल प्रवाह इतना तेज है कि फिसलकर गिरने की घटनाएं आम हो गई हैं।

फसलें जलमग्न, किसानों की मेहनत पर पानी

धर्मावती नदी का पानी तिवाय गांव और उसके आसपास के खेतों तक पहुंच गया है। यहां के अधिकतर खेतों में धान की फसल लगी थी, जो अब पूरी तरह पानी में डूब चुकी है। किसानों की मेहनत पर पानी फिरने से भारी चिंता का माहौल है। गांव के किसान लक्ष्मण सिंह, रामविलास यादव और राजेंद्र चौधरी बताते हैं कि अगर जल्द पानी नहीं घटा, तो उनकी पूरी फसल नष्ट हो जाएगी, जिससे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसान बबलू पासवान ने कहा कि हमने बुआई और रोपाई में जो मेहनत और पैसा लगाया, वह सब बर्बाद हो रहा है। जल्दी पानी कम नहीं हुआ तो कुछ नहीं बचेगा। बता दें कि बबलू के तीन बीघा खेत पूरी तरह डूब चुके हैं।

प्रशासन की ओर से आश्वासन

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया जा रहा है और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम को अलर्ट पर रखा गया है। जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय कर दिया गया है और आवश्यकतानुसार नाव की व्यवस्था की जा सकती है।

संपर्क व्यवस्था ठप, प्रशासन से लगाई गुहार

तिवाय गांव की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। मुख्य मार्ग पर पानी भर जाने से आपात स्थिति में भी बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है, ताकि बीमार, बुजुर्ग या जरूरतमंद लोग आवश्यक सेवाओं तक पहुंच सकें। स्थानीय निवासी आशा देवी बताती हैं कि कोई बीमार हो जाए तो अस्पताल तक ले जाने की व्यवस्था नहीं है। हम प्रशासन से विनती करते हैं कि नाव या अस्थायी पुल की व्यवस्था की जाए।

पंचायत प्रतिनिधि भी चिंतित

रामपुर पंचायत के प्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र की इस समस्या को गंभीर मानते हुए जिला प्रशासन से अविलंब हस्तक्षेप की मांग की है। पंचायत समिति सदस्य अजय कुमार ने बताया कि जलभराव और फसल बबार्दी की सूचना संबंधित विभागों को दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि राहत कार्य में तेजी लाए और विशेष निगरानी दल गठित कर ऐसे गांवों में राहत और बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न, जनहित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरूवार को प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की अहम बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अजय चंद ने की। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति, पारदर्शिता और त्वरित कार्यान्वयन पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से राजस्व महाअभियान, जीविका, महिला एवं बाल विकास परियोजना, विद्युत आपूर्ति, नल-जल योजना, मनरेगा सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों की योजनाओं पर समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई और उनके क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया।

राजस्व महाअभियान के अंतर्गत भूमि सर्वेक्षण, दाखिल-खारिज, भूमि बंटवारे से संबंधित मामलों को त्वरित गति से निपटाने का निर्देश दिया गया, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो। वहीं, जीविका समूहों की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का मजबूत माध्यम बताया गया।

बाल विकास परियोजना के तहत कुपोषण मुक्ति, आंगनबाड़ी सेवाओं की निगरानी और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया। साथ ही, विद्युत विभाग को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति बनी रहे तथा ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत या बदलाव में अनावश्यक देरी न हो।

बैठक में यह सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर धरातल पर उतारा जाएगा। साथ ही आम जनता को योजनाओं की जानकारी देने हेतु प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

बैठक में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, प्रभारी सीओ कुमार दिनेश, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में अध्यक्ष अजय चंद ने सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर स्कूल और कॉलेजों में तैयारी शुरू

- राज हाईस्कूल में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की सलामी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का होता है आयोजन

केटी न्यज/डुमरांव

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की तैयारी स्कूल, कॉलेजों में शुरू कर दिया गया है। इसमें एनसीसी केडेट्सों की परेड लोगों के लिये आकर्षण का केन्द्र होता है। साथ ही विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्रा देश भक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लेते हैं। राज हाईस्कूल डुमरांव, सीपीएसएच हाईस्कूल, महारानी उषा रानी बालिका उच्च और मध्य विद्याल, टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल, आदर्श मध्य विद्यालय, मध्य विद्यालय महावीर चबूतरा सहित नगर के अन्य स्कूलों के बच्चे परेड में भाग लेते हुए तिरंगे को सलामी देते हुए लोगों का अभिवादन करते आगे निकल जाते हैं। परेड समाप्त होने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती शुरू होती है, जिसे देख दर्शक वाह-वाह कह उठते हैं। इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिये स्कूलों में तैयारी जोर-शोर से शुरू कर दी गई है।

राज हाईस्कूल में एनसीसी के शिक्षक अभयानंद प्रजापति ने बताया की 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर की तरफ से सूबेदार महेश प्रसाद व हवलदार अरविंद कुमार सिंह प्रतिदिन आकर बच्चों को परेड कराते हुए उन्हें अभ्यास करा रहे हैं। उन्होंने बताया की बच्चों में काफी टेंलेंट हैं, केवल उन्हें सही जानकारी देते हुए उसे निखारना है। हमारे नौजवान देश के भविष्य है, ऐसे में केवल इन्हें केवल जागरूक करना है। मालूम हो कि एनसीसी में 134 और 135 ट्रुप हैं, जिसमें 200 कैडेट्स प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मतदाता सूची शुद्धिकरण के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का डुमरांव में डीएम ने लिया जायजा

- बीएलओ और बीएलए के साथ समन्वय पर जोर, दो दिनों में 2003 की मार्किंग पूरा करने का निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करने बक्सर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद शर्मा ने बुधवार को डुमरांव प्रखंड का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने मतदान केंद्रवार चल रहे कार्यों की समीक्षा की और प्रखंड स्तर पर लगाए गए विशेष कैंप का निरीक्षण कर उपस्थित पदाधिकारियों और बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने यह सुनिश्चित किया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अब्सेंट (गैरहाजिर), शिफ्टेड (स्थानांतरित) और डेथ (मृत) मतदाताओं की पहचान कर बनाई गई सूची बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के साथ साझा की जा रही है ताकि कार्य की पारदर्शिता बनी रहे और सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

डीएम ने कैम्प में प्रतिनियुक्त कर्मियों से अब तक प्राप्त आवेदन, दावा एवं आपत्ति से संबंधित जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी प्रकार की औपचारिक आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है, हालांकि फॉर्म-6 (नाम जोड़े जाने हेतु आवेदन) लगातार आ रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के एजेंटों को भी सक्रियता से प्रक्रिया में भाग लेने का सुझाव दिया, ताकि बाद में किसी तरह की विसंगति न रहे। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मतदान केंद्रवार 2003 के मार्किंग कार्य की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने इसे अगले दो दिनों में, यानी 7 और 8 अगस्त तक कैंप मोड में पूर्ण करने का सख्त निर्देश बीएलओ को दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य नियत समयसीमा में पूरा होना चाहिए ताकि आयोग को सटीक जानकारी दी जा सके और समय पर अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो सके। डीएम ने निर्देशित किया कि 7 और 8 अगस्त को प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। इस बैठक में अब तक किए गए पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की जाए और आगे की कार्रवाई को लेकर दोनों के बीच तालमेल बैठाया जाए। इसके साथ ही इन बैठकों की फोटो और कार्रवाई प्रतिवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने का स्पष्ट निर्देश भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव है और इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसलिए बीएलओ और बीएलए की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने बूथों की मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाएं। उन्होंने सभी कर्मियों को समयबद्धता और निष्पक्षता से कार्य करने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के निरीक्षण से अधिकारियों में सक्रियता और गति देखने को मिली। प्रखंड प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि दिए गए निदेर्शों का पालन समय पर किया जाएगा और मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया जाएगा।

कृषि कॉलेज को हैंडओवर होने के बाद भी नर्सरी का नहीं हुआ कायाकल्प

- लगातार जलजमाव होने से नर्सरी के सूख गए कीमती आम, अमरूद, चिलबिल और शीशम के पेड़

केटी न्यूज/डुमरांव

कभी हरेभरे पेड़ो और फूलों से गुलजार रहने वाला कृषि विभाग का नर्सरी विरान पड़ गया है। इसको सलामत रखने के लिये नहीं कृषि विभाग ने काशिश किया और नहीं नगर परिषद ने ही। रोड कटिंग और नालों का पानी नर्सरी में प्रवेश कर उसमें लगे आम, अमरूद, शीशम, चिलबिल के विशाल पेड़ों को सूखा दिया है। उसे सूखे हुए पेड़ों की लकड़ी का क्या हुआ, इसको भी कोई बताने वाला नहीं है। इस नर्सरी को पेड़ों और फसलों के अनुसंधान के लिये वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय को हस्तांरित कर दिया गया था। हस्तांरित होने के बाद भी कृषि महाविद्यालय ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया, लिहाजा जो पहले इसकी स्थिति बनी हुई थी, आज भी मौजूद है। विदित हो कि नगर के स्टेशन रोड में महरौरा मोड़ के पास नर्सरी मौजूद है। इसके ठीक पचास मीटर की दूरी पर कृषि कॉलेज है। कॉलेज के प्राचार्य ने बताया की इस नर्सरी को विद्यार्थियों के अनुसंधान के लिये हस्तांरित करा लिया गया था, लेकिन इसमें पानी जमा होने के कारण कार्य नहीं शुरू हो पाया है। इसमें जमा पानी निकालने के लिये कॉलेज के द्वारा भी कोई प्रयास नहीं किया गया। कॉलेज की तरफ से विभाग के वरीय अधिकारी और नप ईओ को पत्र लिखकर जमा पानी को हटाने का अनुरोध किया गया था, लेकिन इस पर किसी ने संज्ञान नहीं लिया। कृषि कॉलेज इसे सुरक्षित रखने के लिये बाउड़ी करा सकता था, लेकिन नहीं करवाया। कॉलेज के प्राचार्य इस आशा में हैं कि नप इसमें का जमा पानी को निकलवा देगा, लेकिन कुछ नहीं किया गया। इस नर्सरी में अनुसंधान शुरू कर दिया गया रहता तो स्टेशन रोड की रौनक बढ़ जाती। इतना ही नहीं प्रखंड कार्यालय से इसको सटे रहने के कारण ठीक इसक बगल में ई-किसान भवन मौजूद हैं, जिससे काफी फायदा होता। कॉलेज के छात्र-छात्राओं को अनुसंधान के लिये भी कहीं जाना नहीं पड़ता। मालूम हो कि इसके चालू होने से जो नर्सरी अंधकार में डूबे रहने के कारण रात्रि में गुजरने वालों को भय लगता है, नहीं लगता। शहर सहित आसपास के गांव से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी भी नहीं होती।

नावानगर में राजस्व महा अभियान को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नावानगर। गुरुवार को नावानगर अंचल कार्यालय के सभागार में राजस्व महा अभियान को लेकर अंचल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता डीसीएलआर डुमरांव के शहजाद अहमद ने की। वही अनुमंडलीय लोक निवारण पदाधिकारी आलोक राज भी उपस्थित थे। डीसीएलआर ने अंचल के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य और कार्य योजना से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश पर टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि राजस्व व भूमि सुधार विभाग द्वारा 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 तक राजस्व महा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी की प्रति और आवश्यक आवेदन प्रपत्र वितरित किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक पंचायत सरकार भवन या अन्य सरकारी भवन में 19 अगस्त से 20 सितंबर के बीच हल्कावार विशेष शिविर का आयोजन होगा। इन शिविरों में लोग अपने आवेदन प्रपत्रों को आवश्यक कागजातों के साथ जमा कर सकते हैं। प्रत्येक हल्का क्षेत्र में कम से कम दो तिथियों में शिविर लगाए जाएंगे। सीओ रानी कुमारी ने बताया कि अंचल स्तर पर माइक्रो प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक मौजा में दल की तैनाती की जानकारी लोगों तक समय पर पहुंच सके। आवेदन प्रपत्र बिहार भूमि पोर्टल के माध्यम से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं। इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से अधिकारियों को जागरूक कर अभियान को सफल बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार किया गया।

बालिकाओं को कैंसर प्रतिरक्षण के लिए लगाया गया टीका

केटी न्युज। आरा

बिहार सरकार स्वास्थ्य समिति के सौजन्य से मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना अन्तर्गत वृहस्पतिवार को आरा प्रखंड स्थित ज्ञानोदय प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय,बभनौली में निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक धर्मेन्द्र उपाध्याय, प्राचार्य, वेद प्रकाश तिवारी ने किया। टीकाकरण दल का नेतृत्व आरा प्रखंड के स्वास्थ्य प्रबंधक डा० इन्द्रविजय सिंह ने किया। दल के सहयोगियों में डा० राजेश कुमार, ए०एन०एम, विनिता प्रियदर्शी , किरण कुमारी, डाटा ऑपरेटर दिव्यांशु कुमार सिंह, गोविंद केसरी, डब्लू एच ओ के प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह शामिल रहे। कुल साठ छात्राओं को टीका लगाया गया। छात्राओं को टीकाकरण के संबंध में जानकारी तथा उनके मनोबल को बढाने में विद्यालय के नोडल शिक्षक मनोज कुमार का भरपूर योगदान रहा। सहयोगी शिक्षकों में अमरजीत सिंह,संतोष कुमार साह, धनजी कुमार, रविशंकर सिंह, रमेश कुमार यादव के अन्य का भरपूर योगदान रहा। ऐसे कैम्प का आयोजन कर बालिकों की सुरक्षा हेतु निःशुल्क टीकाकरण करने के लिए विद्यालय प्रबंधन ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया।

एक नजर

10 लीटर देसी शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

रोहतास। नगर परिषद क्षेत्र के काव नदी समीप पुलिस ने 10 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान शहर निवासी इंदल राम के पुत्र सूरज कुमार के रूप में की गई है। उसके पास से एक लूना बाइक भी बरामद की गई है,जिसका उपयोग वह अवैध शराब की तस्करी में कर रहा था। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने सूरज कुमार को शराब के साथ रंगेहाथ धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है,ताकि शराब के स्त्रोत और उसके नेटवर्क का भी खुलासा किया जा सके।

घर से खेलने निकले छात्र का शव गांव के प्राइवेट स्कूल के पास से दूसरे दिन बरामद

- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव स्थित प्राइवेट स्कूल के पास से गुरुवार की सुबह बरामद हुआ शव

केटी न्युज। आरा

जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव में घर से खेलने निकले छात्र का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उसका शव गांव में स्थित प्राइवेट स्कूल के पास से गुरुवार की सुबह बरामद हुआ। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृत छात्र कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव वार्ड नंबर 9 निवासी श्याम लाल गोड़ का 13 वर्षीय पुत्र भोला गोड़ है एवं वह पांचवी कक्षा का छात्र था। इधर, मृत छात्र के पिता श्याम लाल गोड़ ने बताया कि पूरे गांव में बाढ़ का पानी क्या हुआ है। बुधवार की दोपहर उनका पुत्र करीब 12 बजे घर से खेलने के लिए निकला था और शाम तक घर वापस नहीं लौटा तो परिजन द्वारा उसे भकुरा,पैगा एवं दुबे छपरा सहित कई गांव में उसकी काफी खोजबीन की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। गुरुवार के सुबह भी उसके पिता द्वारा गांव में बाढ़ के पानी में प्रवेश कर उसकी खोजबीन की गई पर कुछ पता नहीं चल पाया। इसी बीच एक व्यक्ति द्वारा फोन कर उन्हें सूचना दी गई के गांव में ही स्थित प्राइवेट स्कूल के पास झाड़ी में उनके बेटे का शव पड़ा है। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे बाढ़ के पानी से बाहर निकाला। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व दो बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां किरण देवी व दो बहन नीतू , ऋतु एवं एक भाई शिवजी है। घटना के बाद मृत छात्र के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत छात्र की मां किरण देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाढ़ के पानी में डूबने से मासूम बच्ची की मौत

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम
- धोबहा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में गुरुवार की सुबह घटी घटना

आरा। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में गुरुवार की सुबह बाढ़ के पानी में डूबने से मासूम बच्ची की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगो के बीच अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मृत बच्ची धोबहा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी लक्ष्मण खरवार की 2 वषीर्या पुत्री कोमल कुमारी है। इधर, बाघीपाकड़ पंचायत के मुखिया समीर कुमार उर्फ मिथुन ने बताया कि गांव में बाढ़ का पानी आया हुआ है। गुरुवार की सुबह जब बच्ची घर से बाहर निकली तो उसका पैर फिसल गया हुआ बाढ़ के पानी में गिरकर डूब गई। तभी वह मौजूद एक ग्रामीण द्वारा उसे पानी से बाहर निकल गया। इसके बाद सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि अमित बच्ची अपने तीन बहन व एक भाई में सबसे छोटी थी। उसके परिवार में मां ममता देवी व दो बहन सोनम,पूनम एवं एक भाई मनु है। घटना के बाद मृत बच्ची के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत बच्ची की मां ममता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतिका के परिजनों से जमुआ गांव मिलने पहुंची गायक पवन की पत्नी ज्योति

केटी न्युज। रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र के जमुआ पेट्रोल पंप पर विगत 3 जून के देर शाम एक अनियंत्रित थार गाड़ी ने चार लोगों को कुचल दिया था। जिसमें जमुआ गांव निवासी पति हृदयानंद पंडित की 47 वर्षीय इंदु देवी की घटना स्थल पर मौत हो गई थी और बच्ची सहित तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए थे। घायलों में ढाई वर्षीय बच्चा सैफ,30 वर्षीय सलामुदिन अंसारी जिसके सिर में गंभीर चोट लगी हैं। वही 32 वर्षीय सलीम अंसारी जिसका दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया था। भोजपुरी पावर स्टार गायक व अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह मृतिका इंदु देवी के घर पंहुच परिजनों से मिली । ज्योति सिंह अपने बयान में कहा कि इतने बड़े सड़क हादसे का होना बहुत ही दुख की बात है । मैं अभी परिजनों से मिली,तो पता चला कि परिजन बहुत ही गरीब है । सरकार में बैठे लोगों को इस पर ध्यान देना चाहिए और संबंधित हादसें में हृदयानंद पंडित जिसने अपनी पत्नी को खो दिए। उनको उचित मुआवजा दिलाने के लिए प्रशासनिक तौर पर बात करूंगी। इस मामले में काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि इस घटना में एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें एक सीओ और बीडीओ द्वारा संयुक्त रूप से सड़क जाम को लेकर, दूसरा मृतिका के परिजनों के द्वारा थार वाहन के मालिक और चालक के विरुद्ध कराया गया है । तीसरा वाहन मालिक के रिश्तेदार द्वारा मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें दो लोगों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है।

नगर परिषद का चलंत शौचालय बना कबाड़, सरकारी खजाने की लूट

केटी न्युज। रोहतास

स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से नगर परिषद द्वारा शहर में चलंत शौचालय (मोबाइल टॉयलेट) की व्यवस्था की गई थी ताकि नागरिकों को खुले में शौच से मुक्ति मिले और स्वच्छता बनी रहे। लेकिन आज यह चलंत शौचालय कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं और नगर परिषद पूरी तरह से मौन बनी हुई है। शहर के विभिन्न स्थानों पर लगे ये मोबाइल टॉयलेट जर्जर स्थिति में हैं। कहीं दरवाजे टूटे हुए हैं, तो कहीं अंदर गंदगी का अंबार लगा है। कई शौचालय तो लंबे समय से उपयोग में नहीं लाए गए हैं और उनमें ताले जड़े हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरू में इनका उपयोग हुआ था, लेकिन बाद में रखरखाव के अभाव में ये बेकार हो गए। शहरवासियों ने कई बार नगर परिषद से इनकी मरम्मत और सफाई की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नगर परिषद की उदासीनता से लोगों में नाराजगी है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सुविधा अगर इस तरह बर्बाद हो जाएगी, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

विभिन्न कांडों में संलिप्त आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

केटी न्युज। रोहतास

पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए हत्या,रंगदारी मांगने और भूमि विवाद को लेकर झगड़ा करने के मामलों में कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। हत्या कांड के मामले में वर्षों से फरार अभियुक्त कांड संख्या 174/20 के तहत दर्ज दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करथ निवासी निशांत कुमार उर्फ मुन्ना उर्फ हरेराम को गिरफ्तार कर लिया । आरोपी वर्तमान में दक्षिणी आस्कामिनी नगर बिक्रमगंज में रहता है । पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के उपरांत जेल भेज दिया। जबकि रंगदारी मांगने का आरोपी पटना से गिरफ्तार हुआ। दुसरी तरफ एक अन्य कार्रवाई में बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 529/25 के तहत रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने सारण जिले के छोटका तेलपा निवासी रजनीश कुमार उपाध्याय को तकनीकी लोकेशन के आधार पर

पटना से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत बिक्रमगंज थाने लाकर पूछताछ के उपरांत न्यायालय भेज दिया गया। जबकि भूमि विवाद को लेकर झगड़ा करने के मामले में पुलिस ने कांड संख्या 168/25 के तहत डिहरा निवासी निर्मल कुमार सिंह एवं देवेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। साथ ही दोनों पर भारतीय दंड संहिता बीएनएसएस की धारा 170/126 के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक पूछताछ के बाद एसडीएम कोर्ट बिक्रमगंज भेज दिया गया है। इन सभी मामलों की जानकारी बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने दी।

जनता दल यूनाइटेड के तत्वावधान में बी.एल. ए.-2 का एक दिवसीय प्रशिक्षण

केटी न्युज। रोहतास

सासाराम के कुशवाहा भवन के सभागार में जनता दल यूनाइटेड के तत्वाधान में बी.एल. ए.-2 का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पटना से आए हुए पार्टी के वरीय नेता जयप्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनता दल यूनाइटेड रोहतास के जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा सासाराम के पूर्व विधायक डॉ अशोक कुमार तथा महिला आयोग की सदस्या राजिया कामिल अंसारी उपस्थित हुई। बैठक की अध्यक्षता सिकंजय सिंह ने तथा संचालन विनोद कुशवाहा ने किया।

इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सासाराम विधानसभा क्षेत्र के सभी बी.एल. ओ.-2 को बिहार सरकार तथा चुनाव आयोग के नीतियों और नियमों की जानकारी देना तथा उन्हें फर्जी वोटरों से सावधान करने के लिए किया गया था। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जयप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि पार्टी का यह सिद्धांत है की एक भी सही वोटर न छूटे और एक भी फर्जी वोटर न जुटे। हम सभी को इसी सिद्धांत के तहत काम करना है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भारी मतो के अंतर से पार्टी के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करनी है।

बैठक को संबोधित करते हुए सासाराम के पूर्व विधायक डॉ अशोक कुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में फर्जी वोटरों का पता चला है और उन्हें हटाकर वोटर लिस्ट को दुरुस्त भी किया गया है लेकिन अभी भी वोटर लिस्ट में बहुत सी अशुद्धियां उपस्थित हैं। जब तक वोटर लिस्ट की अशुद्धियों को दूर नहीं किया जाएगा तब तक स्वच्छ और निष्पक्ष मतदान संभव नहीं है इसलिए हम सभी को मिलकर एकजुट होकर वोटर लिस्ट के सुधार के लिए काम करना है और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुनः मुख्यमंत्री बनना है।

इस अवसर पर जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एक एक वोट की कीमत है इसलिए हम सभी को मिलकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है और इस बात को सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची बिल्कुल अपने वास्तविक और सत्य रूप में हो। बैठक में अशोक पटेल, रिंकू सिंह, रामप्रवेश राम ,अलख निरंजन ,असलम अंसारी ,अभिषेक पटेल ,राज सोनी ,रेणु कुशवाहा ,संगीता सिंह ,विनोद पाल, सविता नटराज ,शिप्पु सिन्हा ,वीरेंद्र गौड़, डबलू मिश्रा ,पारस कुशवाहा ,इरशाद अंसारी ,अमन पटेल, सासाराम नगर के सभी वार्ड अध्यक्ष सासाराम प्रखंड के सभी पंचायत अध्यक्ष और सभी इछअ-2 सहित भारी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चोरी के घटना बाद पीड़ित परिवार में भय व्याप्त

रोहतास। रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव में चोरी की घटना प्रकाश में आया हैं। यह चोरी की घटना उस वक्त घटी जब घर में कोई नहीं था। बता दे कि नवाडीह गांव निवासी स्व. श्रीराम तिवारी के पुत्र सुशील तिवारी 6 अगस्त को मायके से अपनी पत्नी को लेने गए थे उस वक़्त उनके घर मे चोरी हो जाती हैं। अगले दिन अपने ससुराल संसार डेहरी से जब वह अपनी पत्नी को लेकर वापस लौटे तो देखा कि घर के जंगला तोड़कर चोरी की कई है। जिसमे सभी कीमती सामान जैसे गहना, नथिया, झुमका, चैन मंगलसूत्र और अन्य सभी खेत के कागज को चुरा लिया गया। इसके लिए लिखित आवेदन दावथ थाना को दिया है जिसमें शक के आधार पर तीन लोगों को अभियुक्त भी बनाया गया है। मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित द्वारा अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा स्टेशन एवं जमीर हाल्ट के बीच अप लाइन पर गुरुवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिपरहिया गांव वार्ड नंबर 2 निवासी राम भरोसा सिंह के 53 वर्ष के पुत्र कन्हैया प्रसाद हैं एवं वह गोपाली चौक स्थित कपड़े की दुकान पर काम करते थे। इधर, मृतक के छोटे भाई नरेंद्र सिंह ने बताया कि वह गुरुवार की सुबह तगादा करने के लिए अपने गांव से कोईलवर गए थे। तगादा कर जब वह वापस ट्रेन से लौट रहे थे। उसी बीच यह घटना घट गई। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण जब उधर शौच करने के लिए गए। तब उन्होंने उनके शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा देखा जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी। सूचना पाकर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। उधर घटना की सूचना पाकर जीप सदस्य धनंजय यादव व पूर्व मुखिया सह बीजेपी नेता उपेंद्र सिंह सदर अस्पताल पहुंच मृतक के परिजनों से घटना की जानकारी ली एवं उन्हें ढांढस बंधवाया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया

रक्षाबंधन के अवसर पर राखी प्रतियोगिता का आयोजन

केटी न्युज। रोहतास

शहर के द डिवाइन प्राइमरी स्कूल में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 5 से 8 तक की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक भावना देखते ही बन रही थी । सभी छात्राओं ने बड़े उत्साह से विभिन्न प्रकार की आकर्षक और कलात्मक राखियां तैयार की । प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं में सोनी कुमारी (कक्षा 8) ने प्रथम,समृद्धि कुमारी (कक्षा 6) ने द्वितीय और आयुषी कुमारी (कक्षा 7) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । विजेता छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक कमलेश कुमार द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर कमलेश कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं,बल्कि हमारी संस्कृति और भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है । इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाती हैं । हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय की छात्राएं न सिर्फ शिक्षा में बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे हैं । कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा बनाई गई राखियां उनके ही कक्षा के छात्रों की कलाई पर बांधी गईं,जिससे भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को और अधिक गहराई मिली। विद्यालय में रक्षाबंधन का यह आयोजन न केवल रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला रहा बल्कि विद्यार्थियों के बीच आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर विद्यालय की छात्राएं तैयारी में जुटी

केटी न्युज। रोहतास

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जहां पूरा देश तिरंगे की शान में डूबा है,वहीं काराकाट बाजार स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय की छात्राओं ने भी देशभक्ति की भावना को जीवंत कर दिया है। विद्यालय परिसर देशभक्ति गीतों,नारों और उल्लासपूर्ण अभ्यास गतिविधियों से गूंज उठा है। स्कूल की छात्राएं हर प्रस्तुति को आत्मा से संजोने में लगी हैं, ताकि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह एक यादगार अनुभव बन सके ।प्रधानाध्यापक नागेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चल रही तैयारियों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है।नंदिनी,अनुष्का,फरहीन, रुकसाना,तरनुम,आयुषी और कृति जैसी प्रतिभाशाली छात्राएं गीत, भाषण और अन्य प्रस्तुतियों की तैयारी में निरंतर रियाज कर रही हैं। इनकी प्रस्तुतियां न सिर्फ मनोरंजन करेंगी, बल्कि राष्ट्रप्रेम की भावना भी संचारित करेंगी। विद्यालय की शिक्षिकाएं कामना देवी एवं ज्योति कुमारी ने छात्राओं को मंचीय आत्मविश्वास और प्रस्तुति की गुणवत्ता को निखारने में अहम भूमिका निभा रही हैं। बच्चियों में कुछ कर दिखाने का जुनून साफ झलक रहा है। हर एक रचना, गीत और संवाद में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की गूंज और आजादी की कीमत का एहसास समाहित है ।प्रधानाध्यापक श्री सिंह ने बताया कि हमारा उद्देश्य सिर्फ कार्यक्रम कराना नहीं, बल्कि बच्चों के दिल में देश के प्रति गर्व,सम्मान और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। जब बच्चे मंच पर खड़े होकर भारत माता की जय बोलते हैं,तो लगता है कि असली राष्ट्रनिर्माण वहीं से शुरू होता है। विद्यालय की यह तैयारी न सिर्फ एक समारोह है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ी को संस्कार,आत्मबल और देशभक्ति से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। काराकाट के इस विद्यालय ने यह साबित कर दिया है कि छोटे कस्बों से भी बड़े और प्रभावशाली संदेश निकल सकते हैं।

पटना में STET परीक्षा को लेकर अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की थी कोशिश

प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

RE-4 से पहले STET आयोजन की मांग

प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 (TRE-4) से पहले एसटीईटी (STET) आयोजित की जाए, ताकि वे भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकें. छात्रों का कहना है कि जो अभ्यर्थी अब तक टीईटी परीक्षा पास नहीं कर पाए हैं, वे टीआरई-4 और टीआरई-5 से वंचित रह जाएंगे. बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में टीआरई-4 और टीआरई-5 की घोषणा की है, जिसमें डोमिसाइल नीति लागू करने का आश्वासन दिया गया है. यह अवसर शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अहम माना जा रहा है।

राज्यभर से पहुंचे अभ्यर्थी

राज्यभर से आए अभ्यर्थियों ने पटना कॉलेज से जुलूस निकालकर डाकबंगला चौराहा की ओर कूच किया, लेकिन रास्ते में जेपी गोलंबर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया. जब कुछ प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें तितर-बितर कर दिया. इससे मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और कई लोग घायल हुए।

एजेंसी/पटना

पटना से बड़ी खबर आ रही है, जहां अपनी मांगों को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया है। पटना में STET परीक्षा को लेकर अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले थे और डाकबंगला चौराहा होते हुए वहां पहुंचना चाह रहे थे। पुलिस ने अभ्यर्थियों को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। यहां करीब एक घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा। इसके बाद कुछ अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इस कार्रवाई में कुछ अभ्यर्थियों को चोटें भी आईं हैं। लाठीचार्ज के बावजूद अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे पर जुटे हुए हैं। यहां भी पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोका है और वाटर कैनन की गाड़ी भी बुला ली गई है। प्रदर्शन कर रहे महिला और पुरुष अभ्यर्थी बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़कर पोस्टर लहराते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन में 5000 से ज्यादा अभ्यर्थियों के शामिल होने की बात सामने आई है। मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा था. प्रदर्शनकारियों को कई बार समझाने की कोशिश की गई और प्रतिनिधिमंडल के रूप में मिलने का प्रस्ताव भी दिया गया, लेकिन वे नहीं माने. साथ ही, वे प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रदर्शन करना चाहते थे, जिसे अनुमति नहीं दी जा सकती थी. ऐसे में मजबूरी में हल्का बल प्रयोग किया गया।

15 अगस्त को पीएम मोदी से मिलेगी पूजा कुमारी

एजेंसी। पटना

इससे बड़ी बात और क्या होगी कि बिहार के गांव की मिट्टी में रचे-बसे संस्कारों से सजी एक युवा महिला जब नेतृत्व की बागडोर संभालती है, तो वो सिर्फ पंचायत नहीं, पूरे राज्य का गौरव बन जाती है। बात हो रही है गया जिले के कोंच प्रखंड अंतर्गत गरारी पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी की जो राज्य की सबसे युवा और दो बार निर्वाचित मुखिया हैं।पूजा कुमारी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए इस स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर होने वाले मुख्य समारोह में शामिल होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला है। महज 25 वर्ष की उम्र में उन्होंने जिस प्रकार पंचायत में विकास और महिला सशक्तिकरण की अलख जगाई है, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्पद है। यह सम्मान केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने अपने कार्यों से साबित कर दिया है कि उम्र नेतृत्व की कसौटी नहीं होती, बल्कि संकल्प और संवेदनशीलता ही असली नेतृत्व की पहचान है। वे मानती हैं कि आज जो भी हैं वह अपने पंचायत के लोगों के आशीर्वाद और विश्वास के कारण हैं।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़कर 51.10 मीटर और सोन नदी 52.99 मीटर हो गया

गंगा और सोन नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि के बाद, दियारा के कई गांवों में बाढ़

विधायक ने लिया बाढ़ग्रस्त इलाकों का जायजा

बाढ़ की सूचना मिलते ही मनेर के विधायक भाई वीरेंद्र प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने हाथी टोला, हल्दी छपरा, दुधेला, मुंजी टोला समेत एक दर्जन से अधिक गांवों का निरीक्षण किया। विधायक ने बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और तुरंत दानापुर एसडीओ, मनेर बीडीओ और सीओ से बात कर मवेशियों के लिए चारा, नाव की व्यवस्था और अन्य राहत सामग्री की मांग की। मौके पर मुखिया अशोक सिंह, लाल किशोर सिंह और समाजसेवी भृगु यादव सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

छपरा से सोनपुर तक मंडरा रहा बाढ़ का खतरा

इसके अलावा बक्सर में गंगा का जलस्तर 60.85 मीटर पर है और खतरे के निशान के करीब है। छपरा से सोनपुर तक गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे सदर प्रखंड के दियारा क्षेत्र की तीन पंचायतों के दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं। इन गांवों का मुख्य सड़कों से संपर्क पूरी तरह भंग हो गया है और कई गांव टापू में तब्दील हो गए हैं।

एजेंसी/पटना

गंगा और सोन नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि के बाद पटना जिले के दियारा क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। दानापुर, मनेर, बख्तियारपुर, दनियावां, फतुहा, खुशरूपुर, मोकामा, बाढ़, पटना सिटी, दीघा और राजधानी पटना के निचले इलाकों में पानी फैलने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। दनियावां के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 30ए का एक हिस्सा जलमग्न हो गया है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, पटना में गंगा नदी का जलस्तर 51.10 मीटर तक पहुंच गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं, मनेर में सोन नदी 52.99 मीटर पर बह रही है। मनेर के निचले और दियारा इलाकों के दर्जनभर गांवों की सड़कें पानी में डूब चुकी हैं, जबकि डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच गया है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से दियारा के लोग भयभीत हैं। कई परिवार सुरक्षित स्थानों की तलाश में मनेर शहर की ओर पलायन कर रहे हैं। सड़कें और घर जलमग्न हो चुके हैं, जिससे लोगों के समक्ष भोजन और मवेशियों के लिए चारे की भी समस्या उत्पन्न हो गई है। मनेर के हल्दी छपरा में दो ट्रांसफॉर्मर जल जाने से कई टोलों में अंधेरा छा गया है। बुधवार की रात बाढ़ के पानी में कई बिजली के पोल गिर जाने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई है। मोबाइल चार्ज नहीं होने के कारण लोग अपने सगे-संबंधियों से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं। पश्चिमी दियारा के कई गांवों की जीवन रेखा माने जाने वाली तिवारी टोला पुल भी बाढ़ के पानी में डूब गया है। इसके चलते रामपुर दियारा, भवानी टोला, हुलासी टोला, प्रेम टोला और इसलामगंज के लोग जैसे-तैसे नाव या पानी के बीच से मनेर आने-जाने को मजबूर हैं।रतन टोला, हल्दी छपरा, दुधेला, हाथी टोला, महावीर टोला, छिहत्तर, सात अना, पुरनका टोला, नयका टोला, धजव टोला, मुंजी टोला समेत दर्जनों गांवों के लोगों ने प्रशासन से नाव सेवा की मांग की है, ताकि वे सुरक्षित स्थानों तक पहुंच सकें।

पटना के पुनपुन नदी में 8 दोस्तों ने लगाई छलांग, 2 लापता और 6 की बची जान

एजेंसी। पटना

पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र में गुरुवार को पुनपुन नदी में नहाने गए आठ दोस्तों में से दो युवक तेज धारा में बह गए. सैदपुर गांव के गौरैया स्थान निवासी सभी युवक नदी के बढ़ते जलस्तर को देखने पहुंचे थे, लेकिन देखते ही देखते मस्ती जानलेवा साबित हो गई.फतुहा के पुनपुन पुल के पास रेलवे ओवरब्रिज से आठों दोस्तों ने एकसाथ छलांग लगा दी. नदी की तेज धारा ने सभी को अपनी चपेट में ले लिया. अजय, कल्लू, सन्नी, चंदू, गोपा और नीरज को लोगों ने किसी तरह बचा लिया, लेकिन 20 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार (पिता झ संजय पासवान) और 15 वर्षीय बिट्टू कुमार (पिता झ अयोध्या चौधरी) लापता हो गए. घटना की सूचना मिलते ही इलाके में कोहराम मच गया. परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और रो-रोकर बेहाल हो गए. पुलिस ने तुरंत रङ्क्रक्र को बुलाया, जिनकी दो टीमें लापता युवकों की तलाश में नदी में लगी हैं. फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि सर्च ऑपरेशन जारी है. पूर्व पार्षद ज्ञान प्रकाश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि नदी की धारा बहुत तेज थी, और युवक गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए।

चुनाव से पहले बिहार के 6 आईपीएस अधिकारियों का तबादला, सरकार ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी। पटना

बड़ी खबर बिहार के पुलिस महकमें से निकलकर सामने आ रही है, जहां विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने एक बार फिर से आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। बिहार सरकार ने 6 आईपीएस आधिकारियों का तबादला किया है। इनकी पोस्टिंग रउ्रढ के तौर पर हुई है। गृह विभाग की तरफ से तबादले की अधिसूचना जारी कर दी गई है।सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के आईपीएस अधिकारी मो० मोहिबुल्लाह अंसारी, जो पटना नगर के एसडीपीओ के पद पर तैनात थे उन्हें, पटना का लॉ एंड ऑर्डर डीएसपी बनाया गया है। वहीं सुश्री शैलजा भा.पु.से. 2022 की अधिकारी जो एएसपी वैशाली के पद पर तैनात थीं उन्हें नालंदा के हिलसा का एसडीपीओ बनाया गया है।भारतीय पुलिस सेवा के 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी संकेत कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिक्रमगंज, रोहतास के पद पर तैनात किया गया है, जो एएसपी, सारण के पद पर तैनात थे। वहीं गरिमा (भा.पु.से. 2022) सहायक पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर को मुजफ्फरपुर के सरैया का एसडीपीओ बनाया गया है।वहीं बेगूसराय की एएसपी साक्षी कुमार को बेगूसराय में बलिया का एसडीपीओ बनाया गया है। साक्षी कुमारी भारतीय पुलिस सेवा की 2022 बैच की आईपीएस अधिकारी है। जबकि भारतीय पुलिस सेवा की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी कोमल मीणा मसौढ़ी का एसडीपीओ बनाया गया है। वह पहले दरभंगा में एएसपी के पद पर तैनात थीं।

इंजीनियर के बंद घर से 50 लाख की चोरी, मोकामा गया था पूरा परिवार

एजेंसी। पटना

बिहार में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित वृंदावन कॉलोनी से निकल सामने आ रही है। जहां अज्ञात बदमाशों ने बंद घर को निशाना बनाया है। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर चंदन कुमार के बंद घर में घुसकर घर के पूरे सामान को खंगाल डाला और 50 लाख की संपत्ति चोरी करके मौके से फरार हो गये। घटना की तस्वीर घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गयी है। जिसे देखकर हर कोई हैरान है। जो सीसीटीवी सामने आई है, उसमें चोर लोहे की खंटी से खिड़की को तोड़ता दिख रहा है। इस दौरान वह दरवाजे को भी तोड़ने की कोशिश करते नजर आ रहा है। खिड़की दरवाजे तोड़कर वह घर में घूसा और कमरे में रखे गोडरेज आलमारी, घर में बने बॉक्स, दिवान पलंग, बक्शा, सुटकेस सब कुछ खोलकर उसमें रखे सामान को इधर-उधर बिखेर दिया और उसमें रखे जरूरी कीमती सामान को अलग कर लिया। बुधवार की रात चोरों ने एक-एक रूम के खंगाल डाला और करीब 50 लाख रुपये कीमत का सोने-चांदी का गहना चोरी करके नौ दो ग्यारह हो गया। लोहे की खंटी से उसने दरवाजा और खिड़की तोड़ा लेकिन इसकी आवाज आस-पास में रहने वाले पड़ोसियों को नहीं सुनाई दिया। चोर बड़े आराम से भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गये। चोरों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गयी है लेकिन किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है।चोरों ने चेहरे पर सफेद कपड़ा ढक लिया था जिसके कारण पहचान करना मुश्किल साबित हो रहा है।

बिहार के सरकारी स्कूल में 8वीं के छात्र का शव मिलने से सनसनी

सहरसा। बिहार के सहरसा से बड़ी खबर आ रही है, जहां स्कूल कैंपस में 8वीं के छात्र का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। परिजनों और ग्रामीणों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। छात्र बुधवार से ही लापता था। गुरुवार को स्कूल परिसर से शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया है।दरअसर, घटना बनगांव थाना क्षेत्र के चैनपुर स्थित शशिकला मध्य विद्यालय के कैम्पस से एक 12 वर्षीय 8वीं के छात्र का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास लोगों की भारी भीड़ जुट गई। जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने स्कूल का घेराव करते हुए स्कूल प्रसासन पर लापरवाही का आरोप लगाने लगे। मृतक छात्र की पहचान बिट्टू कुमार के रूप में की गई है, जो शशिकला मध्य विद्यालय में ही 8वीं की कक्षा में पढ़ता था।

31 नदियों का जल, 21 तीर्थों की मिट्टी से बनेगा जानकी मंदिर

गृह मंत्री अमित शाह मंदिर परिसर की रखेंगे आधारशिला

एजेंसी/पटना

अयोध्या के भव्य राममंदिर की तर्ज पर बिहार के पुनौराधाम में माता जानकी मंदिर का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंदिर परिसर की आधारशिला रखेंगे। इस भव्य समारोह को विशेष रूप से भव्य और पावन बनाने की पूरी तैयारी की गई है।जयपुर से विशेष चांदी के कलश, भारत के 21 प्रमुख तीर्थों की मिट्टी और 31 पवित्र नदियों का जल समारोह में लाया जाएगा। दक्षिण भारत के बालाजी मंदिर तिरुपति के समान, यहां 50 हजार पैकेट लड्डू बनाए जा रहे हैं। लड्डू बनाने के लिए दक्षिण भारत के विशेषज्ञ कारीगर भी खास तौर पर आए हैं। इन लड्डुओं का संकल्प स्नान गंगा सहित 11 पवित्र नदियों के जल से किया जाएगा, जो कार्यक्रम की दिव्यता को और बढ़ाएगा।मंदिर का निर्माण 67 एकड़ में होगा, जिसमें 151 फीट ऊंचा भव्य मंदिर तैयार किया जाएगा, जिसकी योजना वर्ष 2028 तक पूरा होने की है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कई आधुनिक और सांस्कृतिक सुविधाओं का समावेश होगा। इसमें यज्ञ मंडप, संग्रहालय, ऑडिटोरियम, कैफेटेरिया, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, धर्मशाला, सीता वाटिका, लवकुश वाटिका, भजन संध्या स्थल, यात्री डॉरमेट्री भवन, यात्री अतिथि गृह, ई-कार्ट स्टेशन, मिथिला हाट, पार्किंग, मार्ग प्रदर्शनी समेत अन्य सुविधाएं शामिल हैं।मंदिर परिसर में माता सीता से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्यों, तथ्यों और कहानियों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान भी प्राप्त होगा। इसके अलावा, माता जानकी कुंड का सौंदर्यीकरण भी कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। इस भव्य आयोजन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा कई केंद्रीय और राज्य मंत्रीगण भाग लेंगे। साथ ही राज्य और देश भर से बड़ी संख्या में साधु-संत तथा हजारों श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए उपस्थित होंगे।

सुभाषितम्

वह एक मात्र स्थान है जहां आपके सपने असंभव होते हैं वह है स्वयं आपका मस्तिष्क। -अज्ञात

सुप्रीम कोर्ट के जज दीपांकर दत्ता की टिप्पणी पर बवाल

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपांकर दत्ता की राहुल गांधी के बारे में हालिया टिप्पणीअगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते। इस टिप्पणी ने सारे देश में तूफान खड़ा कर दिया है। न्याय पालिका और न्यायाधीशों की मर्यादा, सीमाओं पर गहरा विचार विमर्श होने लगा। यह टिप्पणी विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत-चीन सीमा विवाद पर दिए गए बयान के संदर्भ में थी। उन्होंने कहा था, चीन ने भारत की भूमि पर कब्जा कर लिया है। उप्र में उनके बयां पर मानहानी का मुकदमा उप्र की कोर्ट में चल रहा है। यह चिंता का विषय है, एक संवैधानिक संस्था, जो अपने विवेक, संतुलन और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान द्वारा संरक्षित की गई है। वह एक राजनीतिक बयान को देशभक्ति की परीक्षा में बदल दे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)() मे नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में विपक्षी नेता द्वारा सरकार से राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवाल करना ना केवल उसका अधिकार है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा और संविधान के मौलिक अधिकारों में शामिल है। इस अधिकार को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की ही है। सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिली। जस्टिस दत्ता ने जो टिप्पणी की उनके बाद देश भर में बवाल मच गया। गंभीर सवाल यह है, क्या अदालतें अब नागरिकों की भारतीयता का मूल्यांकन करेंगी? क्या सच्चा भारतीय होने का प्रमाण न्यायालय तय करेगा? यह प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रि शासन व्यवस्था विमर्श के लिए खतरनाक है, बल्कि न्यायिक निरपेक्षता पर भी गहरा आघात है। सत्ता पक्ष की आलोचना को देशद्रोह या राष्ट्र विरोध की परिभाषा में समेटना लोकतंत्र के लिए घातक है। जब सुप्रीम कोर्ट के एक जज ही इस तरह की टिप्पणी करें, उसके बाद संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं रहेगा। राहुल गांधी पर टिप्पणी करने से पहले दत्ता को यह भी समझना चाहिए था। उनकी टिप्पणी पर किस तरह की प्रतिक्रिया होगी। राहुल के पहले भाजपा के अपने सांसद ने और एक वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी अतीत में वही बात कह चुके थे। उन पर कोई टिप्पणी किसी भी न्यायाधीश की नहीं आई। सुप्रीम कोर्ट के इस दोहरे मापदंड की देश भर में चर्चा होने लगी है। पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करने का चलन बढ़ गया है। जब आदेश आता है तो इन टिप्पणी का कोई वजूद आदेश में नही रहता है। सत्ता पक्ष कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी पर विपक्षियों पर हमला करने और अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करता है। न्यायालयों को अपनी लक्ष्मण रेखा नहीं भूलनी चाहिए। उनका कार्य फैसला देना है, उपदेश देना या टिप्पणी करना नहीं है। सच्चा भारतीय जैसे वाक्य अदालत की गरिमा और उसके कार्यक्षेत्र के अनुरूप नहीं हैं। इस तरह की टिप्पणी को लाभ पहुंचाने का एक राजनीतिक तौर तरीका बन गया है। इस टिप्पणी ने न्यायपालिका, राजनीति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के त्रिकोण में देश में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह बहस केवल राहुल गांधी तक सीमित नहीं रही। यह देश के हर नागरिक की अभिव्यक्ति और अधिकार से जुड़ी टिप्पणी है। क्या लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना, देशद्रोह और भारतीय नागरिकता पर संदेह का आधार बनेगा? सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद जिस तरह से भाजपा के मीडिया सेल बीजेपी के नेताओं तथा सरकार में बैठे हुए लोगों ने राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोलकर उनके उपर हमला किया है। यह राहुल गांधी अथवा विपक्षी दलों की सरकारें है वहां पहली बार नहीं हुआ है। इन दिनों केंद्र सरकार के मंत्री बार-बार कहते हैं यदि सरकार से सहमत नहीं है, तो कोर्ट चले जाएं। जब कोर्ट जाते हैं, तब वहां से इस तरह की टिप्पणी विपक्षियों को उन्हें दोहरा नुकसान पहुंचती हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से फैसला और आदेश नहीं मिलता हैं।

चिंतन-मनन

थुकदम पर शोध खोलेगा जीवन-मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे। माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे। इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है।

पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति से मिले

- किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत की हर गतिविधियों पर लगी रहती है वैसे भी अभी 21 जुलाई से 21 अगस्त तक मानसून सत्र चल रहा है तो निगाहें और भी पैनी हो जाती है कि, संसद किस तरह के बड़े फैसले लेता है, या फिर ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटों की बहस के बाद अब फिर एसआईआर पर संसद में हंगामें के कारण कामकाज ठप्प पड़ा है, ऊपर से उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर 2025 को होने की घोषणा हो चुकी है सांसद में बड़े-बड़े बिल पेंडिंग है, इस बीच भारत सरकार व पार्टी के दो मुख्य पावरफुल सर्वोच्च दिग्गजों का अचानक रविवार 3 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति भवन में जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करने की गतिविधि ने भारत ही नहीं पूरे विश्व का ध्यान खींचा है, इसीलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जरूर कोई अति खास महत्वपूर्ण मुद्दा होगा जो दोनों दिग्गज अलग-अलग रूप से राष्ट्रपति भवन में जाकर उनसे मुलाकात की है, जिसका खुलासा कुछ दिनों में हो जाएगा, परंतु राजनीतिक हल्कों में सियासी अटकलों का बाजार गर्म हो गया है, विपक्ष अलर्ट हो गया है कि कहीं कोई बड़ा फैसला तो नहीं लिया जा रहा है, या फिर मानसून सत्र में कोई बड़ा बिल तो पेश नहीं किया जाएगा और हंगामें के बीच ध्वनिमत से पारित कर लिया जाएगा या फिर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की भी तैयारी या फिर उपराष्ट्रपति के नाम पर मोहर लग चुकी है इसके कयास लगाए जा रहे हैं। चूंकि सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला, बड़ा बिल, जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति के चुनाव का मामला हो सकता है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पीएम गृहमंत्री नें अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की, राजनीतिक गतिविधियों में सियासी अटकलें चरम सीमा पर पहुंची।

साथियों बात अगर हम रविवार 3 अगस्त 2025 को भारत में सियासी हलचल तेज होने की करें तो, रविवार को पीएम ने और केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों नेताओं के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है हालांकि अभी तक यह सामने नहीं आया है कि पीएम और गृहमंत्री के राष्ट्रपति से मिलने के पीछे क्या कारण है। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की सियासी दरअसल, दोनों नेताओं की राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे है मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार या तो कोई बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है या फिर सदन में कोई बड़ा बिल लाना चाहती है। इसलिए दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की है। बता दें कि संसद का मानसून सत्र चल रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में एसआईआर को लेकर चर्चा की मांग कर रहा है। इन दोनों मांगों को लेकर विपक्ष ने लगातार प्रदर्शन किया। विपक्ष की मांग के बाद संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो गई है, लेकिन एसआई आर पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में चर्चा चाहता है लेकिन सरकार अभी तक इसपर बिल्कुल ही तैयार नहीं है। साथियों बात अगर हम इस मुलाकात के माइनें 9 सितंबर 2025 को होने वाले चुनाव से जोड़कर देखें तो, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। 9 सितंबर को मतदान होगा। वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण नए उपराष्ट्रपति का चुनाव हो रहा है। 7 अगस्त को चुनाव आयोग की तरफ से अधिसूचना जारी की जाएगी।

बता दें कि 21 जुलाई को पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया। ऐसे में फिर से उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव होना है। यहां समझें दोनों सदनों का नंबर गेम, संसद की दोनों सदनों में सांसदों की कुल संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद पर जीत दर्ज करने के लिए उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होती है। लोकसभा में 542 सदस्यों में, एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 240 सदस्यों में से 129 सदस्य एनडीए के हैं। कुल मिलाकर एनडीए को 422 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में एनडीए का उम्मीदवार ही उपराष्ट्रपति पद का दावेदार हो सकता है। फिलहाल की तरफ से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। यहां रेखांकित करने वाली बात यह है कि पार्टी के पास इस समय उपराष्ट्रपति चुनाव में धनखड़ और नायडू जैसी स्थिति नहीं है अभी तीन पहियों पर सरकार सवार है इसलिए बाकी दो पहियों से उम्मीदवार के नाम पर सहमति लेना जरूरी हो गया है, नहीं तो नंबर गेम में बड़ा खेला होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता नंबर गेम के हिसाब से और दो पहिए अगर क्रॉस वोटिंग कर गए गए तो हो सकता है उपराष्ट्रपति विपक्ष का हो जाए पर इसकी संभावना बहुत कम है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता शशि थरूर के बयान की करें तो, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया कि देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि केवल सत्तारूढ़ पार्टी का उम्मीदवार इस पद पर बैठ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि वह किसे उपराष्ट्रपति बनाएगी। थरूर ने कहा कि हम बस इतना जानते है कि वह जिसे उम्मीदवार बनाएगी, वह व्यक्ति ही अगला उपराष्ट्रपति होगा। यह संसद के दोनों सदनों का चुनाव है उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में राज्य की विधानसभाएं भी चुनाव करती हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति के लिए केवल लोकसभा और राज्यसभा ही मतदान करते हैं। इसलिए हम बहुमत पहले से ही जानते हैं। आगे कहा कि इतना समझ लीजिये कि अगला उपराष्ट्रपति सत्तारूढ़ दल द्वारा नामित व्यक्ति होगाउन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र अगले उपराष्ट्रपति को चुनने के लिए विपक्ष की भी सलाह लेगा, लेकिन कौन जाने? साथियों बात अगर हम उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया व योग्यता की करें तो, उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया और योग्यता (1) भारत का नागरिक होना चाहिए (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए (3) राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता होनी चाहिए (4) उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया होती है (5) उम्मीदवार को 15,000 रुपए की जमानत राशि जमा करनी होती है (6) 1/6 वोट न मिलने पर जमानत राशि जब्त हो जाती है (7) नामांकन पत्रों की जांच के बाद वैध उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाती है (8) मतदान प्रक्रिया में, मतदाता अपनी पसंद के अनुसार उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं (9) उदाहरण के लिए, यदि तीन उम्मीदवार अ, इ, और उ हैं, तो मतदाता प्राथमिकता दर्शा सकता है (10) हर सांसद एक वोट देता है (11) प्राथमिकता के आधार पर उम्मीदवारों को 1, 2, 3 के क्रम में दर्शाते है (12) मतों की गिनती के बाद, उम्मीदवारों को उनकी प्राथमिकता के अनुसार मतों का आवंटन किया जाता है (13) सबसे ज्यादा मत पाने वाले उम्मीदवार को राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया जाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की- राजनीतिक गलियारों में सियासी अटकलें चरम पर पहुंची! सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला, बड़ा बिल, जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति चुनाव का मामला सरकार के दो सर्वोच्च दिग्गजों का राष्ट्रपति से एक ही दिन अलग-अलग मिलना, किसी बड़े महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर इशारा करता है।

हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ

- संजय गोस्वामी

वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का पूरा नाम मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथ था। उनका जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ था। वह कृषि वैज्ञानिक के साथ ही पादप आनुवंशिकीविद (ड'ल्ल३ त्रौल्ली५२१) भी थे। उनको 1972 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (क्हअफ) का महानिदेशक बनाया गया और भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। देश में हरित क्रांति की शुरुआत करने वाले महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन (टर रद्देल्लंईल्ल) को केंद्र सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया गया वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा काम किया था। स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की ऐसी वेरायटी तैयार की थी जिससे न केवल पैदावार में इजाफा हुआ, बल्कि उनके प्रयासों से देश को सूखे से बचाने में भी मदद मिली। उनका विवाह मीना स्वामीनाथन से हुआ था, जिनसे उनकी मुलाकात 1951 में हुई थी जब वे दोनों कैम्ब्रिज में पढ़ रहे थे। वे चेन्नई, तमिलनाडु में रहते थे। उनकी तीन बेटियाँ सौम्या स्वामीनाथन (एक बाल रोग विशेषज्ञ), मधुरा स्वामीनाथन (एक अर्थशास्त्री), और नित्या स्वामीनाथन (लिंग और ग्रामीण विकास) हैं। गांधी और रमण महर्षि ने उनके जीवन को प्रभावित किया। अपने परिवार के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ जमीन में से, उन्होंने एक तिहाई विनोबा भावे के कारण दान कर दी। 1960 के दशक में भारत समेत पड़ोसी देशों को अकाल की स्थिति से बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था। बाद में 1979 में वह प्रधान सचिव बनाए गए थे। वह योजना आयोग में भी रहे। देश को सूखे से बचाने पर उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था। अपने करियर की शुरुआत सिविल सेवा से की, लेकिन उनकी रुचि कृषि में थी। इस वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में रिसर्च करना शुरू कर दिया। यूरोप और अमेरिका के कई बड़े संस्थानों में उन्होंने अपने रिसर्च से महत्वपूर्ण खोजे कीं और उपलब्धियां हासिल कीं। 1954 में उन्होंने सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (ज्रौल्ल३१' ह्ण ्फीर्रीं क्ल्ल२३३४३ी) कटक में जैपोनिका किस्मों से इंडिका किस्मों में फर्टिलाइजर रिस्पांस के लिए जीन ट्रांसफार्मर करने पर बड़ा काम किया। उन्होंने इसे ह्रउच्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने का पहला प्रयास बताया जो अच्छी मिट्टी की उर्वरता और अच्छे जल प्रबंधन का जवाब दे सकती हैं। ह्रइसकी आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि आजादी के बाद भारतीय कृषि बहुत अधिक उत्पादक नहीं थी। वर्षों के औपनिवेशिक शासन ने इसके विकास को प्रभावित किया और देश के पास इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए संसाधनों की कमी थी। हालत यह थी कि भोजन के लिए जरूरी फसलों को भी अमेरिका जैसे देशों से आयात करना पड़ता था। कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु सम्बाशिवन स्वामीनाथन, जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, ने 1960 के दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि का काम किया। मेक्सिको में एमएपी की सफलता से प्रेरित होकर, उन्होंने बोरलॉग के साथ मिलकर नई मैक्सिकन गेहूँ की किस्में विकसित कीं। नए बीजों से लैस, स्वामीनाथन ने कठोर परीक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता का प्रदर्शन करके किसानों और भारत सरकार को उन्हें अपनाने के लिए राजी करने के मिशन की शुरुआत की। 1966 में भारत ने 18,000 टन नए मैक्सिकन गेहूँ के बीज आयात किए, जिससे भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब और हरियाणा में, गेहूँ के उत्पादन में आमूल-चूल परिवर्तन आया। भारत में गेहूँ का उत्पादन 1965 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर 1970 में 2 करोड़ टन हो गया। उच्च उपज वाले चावल के बीजों की किस्मों के विकास के साथ भारत में चावल का उत्पादन भी बढ़ा। 1971 में भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया, और 1970 के दशक के अंत तक भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक बन गया। प्रभाव मेक्सिको में एक प्रयोग के रूप में शुरू हुई इस क्रांति ने अंततः दुनिया भर में, विशेष रूप से ब्राजील, चीन, पाकिस्तान और फिलीपींस जैसे विकासशील देशों में, कृषि में क्रांति ला दी। हरित क्रांति ने कृषि का औद्योगिकीकरण किया। रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और सिंचाई की विशेषता वाली आधुनिक खेती ने खेती के पारंपरिक तरीकों का स्थान ले लिया। हालाँकि यह प्रगति अभूतपूर्व थी, लेकिन इसके परिणाम भी हुए। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदूषण, मृदा क्षरण और जैव विविधता में कमी आई। बड़े पैमाने पर सिंचाई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में कमी आई है। गरीब किसान अक्सर उच्च उपज वाले बीज, उर्वरक और सिंचाई प्रणाली जैसे आधुनिक कृषि सामग्री नहीं खरीद पाते हैं, जिससे उनकी उपज कम हो जाती थी, हरित क्रांति सही दिशा में एक बदलाव है, लेकिन इसने दुनिया को स्वप्नलोक में नहीं बदल दिया है। इसकी सीमाओं के बारे में उन लोगों से ज्यादा कोई नहीं जानता जिन्होंने इसे शुरू किया और इसकी सफलता के लिए संघर्ष किया। यह देखते हुए कि हरित क्रांति ने भूख और अभाव के खिलाफ मनुष्य के युद्ध में एक अस्थायी सफलता हासिल की है, सरकारों और अन्य हितधारकों को न केवल कृषि अनुसंधान में बल्कि शिक्षा, रोजगार, आवास और स्वास्थ्य सेवा में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वामीनाथन का 28 सितंबर 2023 को चेन्नई स्थित उनके घर पर 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जिन्हें आज भी भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।

घर का माहौल खुशनुमा बनाने करें ये उपाय

अगर घर का माहौल अच्छा नहीं रहता और लगातार कलह बना रहता है तो कुछ उपाय कर इसे ठीक किया जा सकता है। इसके लिए घर के लोग जिस बर्तन से पानी पीते हैं, उस बर्तन में से एक लोटा पानी भरकर घर के चारों कोनों और घर के बीचों बीच छिड़क दें। यह उपाय आपको रात के 12 से 3 बजे के बीच करना चाहिए। अगर घर का कोई सदस्य बहुत लंबे समय से बीमार चल रहा है तो रात के समय उसके तकिए के नीचे एक सिक्का रख दें और सुबह उस सिक्के को श्मशान में फेंक आएं। गेंदे के फूल पर रोजाना कुमकुम लगाकर इसे तुलसी पर अर्पण करें। ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच का तनाव कम होता है। शनिवार के दिन सरसों के तेल में मीठे भजिए तलकर गरीबों को खिलाइए। शनि ग्रह से संबंधित कुंडली में जितनी भी बाधाएं हैं, सब शांत हो जाएंगी। पुत्री की विदाई के समय एक लोटे पानी में हल्दी और एक सिक्का डालकर लड़की के आगे फेंक दें। ऐसा करने से उसका विवाहित जीवन सुखी और खुशहाल रहेगा। अगर किसी जरूरी कार्य के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो सबसे पहले चार कदम विपरीत दिशा की ओर बढ़ाएं और फिर अपने काम के लिए निकलें। घर में जब भी खाना बने तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए निकाल लें। ऐसा करने से सभी परेशानियों का नाश होगा। सूखे नारियल के आधे भाग में चीनी भरकर उसे जमीन में गाड़ दें। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर बरसेगी और आपके जीवन से धन संबंधी परेशानियां समाप्त हो जाएंगी। अगर घर के छोटे बच्चे को बुरी नजर से बचाना चाहते हैं तो हनुमान जी के बाएं पैर से सिंदूर लेकर बच्चे के मस्तक पर नियमित रूप से लगाएं। ऐसा करने से बच्चे पर आने वाली हर बुरी नजर टल जाएगी। वास्तु विज्ञान की मानें तो परिवार के सदस्यों की तस्वीर लगाने के लिए घर की उत्तर दिशा, पूर्व दिशा और उत्तर-पूर्व दिशा का प्रयोग किया जाना चाहिए। यह तीनों दिशाएं परिवार के सदस्यों की तस्वीरें लगाने के लिए सही हैं, इसके अलावा इन दिशाओं में करीबी रिश्तेदारों की तस्वीर भी लगाई जा सकती है। परंतु इसके अलावा किसी भी दिशा में परिवार के सदस्यों की तस्वीर नहीं होनी चाहिए। घर की दक्षिण, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा मृत परिजनों की तस्वीर लगाने के लिए इस्तेमाल की जानी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आज कई बदलावों का सामना करना पड़ सकता है। ये सरकार या व्यवस्था की ओर से हो सकते हैं।

तुला मेहनत से पूरा करना होगा। किसी के भरोसे रहने से आपके जरूरी कार्य देरी से हो सकते हैं।

वृषभ लक्ष्य को प्राप्त करने कड़ी मेहनत करनी होगी। इसी के चलते आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।

वृश्चिक आज आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना होगा।

मिथुन व्यवसाय से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उनसे छुटकारा मिल सकता है।

धनु आज कोई अच्छी खबर आपको सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क कार्यों से जुड़े लोगों को दिन अच्छा रहने वाला है। आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुल सकते हैं।

मकर आज आपको कई प्रकार की उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह आज की गई मेहनत अब लाभकारी सिद्ध होगी। आपको धीरे-धीरे लाभ प्राप्त होने लगेंगे।

कुंभ लाभ होने की संभावना है, लेकिन फिर भी कोई बात आपके मन को परेशान कर सकती है।

कन्या आज कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करने पर अधिक ध्यान देना होगा।

मीन आज अनुभवी या वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

विशेष

अमित शाह ने तोड़ा सभी ग्रहमंत्रियों का रिकार्ड

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भारत के ऐसे पहले ग्रहमंत्री हैं। जिन्होंने सबसे ज्यादा समय तक गृहमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 2258 दिनों तक लगातार पद में रहकर सभी पुराने गृह मंत्रियों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। लालकृष्ण आडवाणी से भी आगे अमित शाह निकल गए हैं। अमित शाह ने 30 मई 2019 को गृह मंत्री का पदभार संभाला था। 9 जून 2024 को उन्होंने फिर गृह मंत्री का पदभार संभाला। 2258 दिनों तक लगातार गृहमंत्री रहने का उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वह इस पद पर कार्य करते हुए एक नया रिकार्ड बनाने जा रहे हैं। मोदी मंत्रिमंडल के नवरत्नों में से एक अमित शाह आधुनिक राजनीति के चाणक्य भी माने जाते हैं। वह नए-नए रिकॉर्ड बनाने के लिए भी जाने जाते हैं।

महादेव की कोप दृष्टि

हिमालय की तराई को महादेव की तपस्या स्थली माना जाता है। इसी हिमालय की देवभूमि के विभिन्न राज्यों में में भगवान महादेव का कोप देखने को मिल रहा है। पिछले तीन दशक से हिमालय के क्षेत्र में वर्तमान सत्ताधीशों द्वारा विकास के नाम पर विनाश का जो सिलसिला शुरू हुआ था। वह चरम पर पहुंच गया है। भगवान भोलेनाथ की देवभूमि पर वर्तमान राजनेताओं द्वारा पैसे की लालच में जिस तरह से देवभूमि का विनाश किया जा रहा है। उससे भगवान कुपित हो गए हैं। पिछले कुछ वर्षों मे चेतावनी के स्वरूप पहाड़ों में भू स्खलन के रूप मे कई चेतावनी दी। वर्तमान सत्ताधीशों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1502: फ्रांसिसियों ने स्पेनियों को दक्षिणी इटली से खदेड़ दिया. 1647: इंग्लैंड की सेना ने राजशाही द्वारा प्रस्ताव अस्वीकृत किए जाने के बाद लंदन मार्च किया. 1941: रवीन्द्रनाथ टैगोर का निधन. 1964: कांगो गणराज्य की स्थापना हुई. 1971: अमरीकी अपोलो 15 के तीनों अंतरिक्षयात्री प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे. 1982: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री शेख अब्दुला का निधन. 1985: गीत सेठी को विश्व अमेच्योर बिलियर्ड चैंपियन बने. 1986: मिजोरम को राज्य का दर्जा मिला. 1988 बंगलादेश में 200 लोगों को ले जा रही नावें डूब गयी. 1992: चीन ने अमरीका को कैदियों द्वारा निर्मित सामानों के निर्यात की जांच का समझौता किया. 1999: केंद्रीय मंत्री कल्पनाथ राय का निधन.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

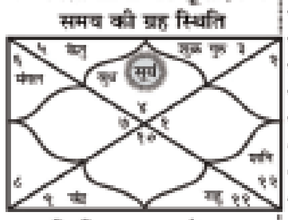

2025 वर्ष का 219 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि त्रयोदशी 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढा 14.01 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 06.42 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 14.28 बजे तदनन्तर गर 02.25 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 24'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872429
जूलियन दिन 2460894.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 12

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.19 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.31 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.42 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.57 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.13 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.18 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.37 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.08 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	वृष	23.48 बजे से
		मिथुन	01.46 बजे से
		कर्क	03.59 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ≡Jagrutidaur.com, Bangalore

पेसा कानून 6 सितंबर तक लागू करें या सचिव कोर्ट में पेश होकर स्पष्टीकरण दें : हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में पेसा कानून लागू न किए जाने को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव कोर्ट में मौजूद थे। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने सचिव से पूछा कि कोर्ट के आदेश का अब तक पालन क्यों नहीं किया गया। इसमें इतनी देरी क्यों हो रही है। छह सितंबर को अगली सुनवाई तक इसे लागू करें वरना कोर्ट में पेश होकर स्पष्टीकरण दें।

हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 में पेसा कानून को लेकर दाखिल जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की थी। सरकार को दो माह में नियमावली बनाने का निर्देश दिया था। लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हुआ। इसके बाद आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने अवमानना याचिका दाखिल की। याचिकाकर्ता के वकील अजीत कुमार ने कोर्ट को बताया कि आदिवासियों के हितों और उत्थान के लिए 25 साल पहले झारखंड गठन किया गया था। लेकिन अब तक सरकार पेसा नियमावली नहीं बना सकी। जबकि पेसा एक्ट 1996 में ही बना था। वहीं सरकार की ओर से बताया गया कि नियमावली लागू करने की प्रक्रिया जारी है। इस पर काम हो रहा है। राज्य में पंचायती राज अधिनियम और दूसरे एक्ट के माध्यम से पेसा कानून के प्रावधानों को लागू किया गया है।

डिस्चार्ज से पहले ही माताओं को दिया जा रहा नवजात का जन्म प्रमाण पत्र

जमशेदपुर, एजेंसी। बच्चे के जन्म के पहले ही अब उसका नाम माता-पिता को तय कर लेना होगा. क्योंकि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (शहरी और ग्रामीण) तथा सदर अस्पताल, जमशेदपुर में नवजात शिशुओं के जन्म के बाद डिस्चार्ज से पहले ही जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने की व्यवस्था प्रारंभ कर दी गयी है. एक बार जन्म प्रमाण पत्र बन जाने के बाद उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ लंबी प्रक्रिया होगी. इस व्यवस्था का उद्देश्य जन्म पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना है, ताकि सभी नवजातों का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित हो सके. उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि यह पहल न केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा, सरकारी योजनाओं से जोड़ने और प्रमाणिक पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है, बल्कि प्रमाण पत्र बनाने में होने वाले विलंब को भी दूर करने का प्रयास है. जन्म के तुरंत बाद संबंधित कर्मियों द्वारा जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर माताओं को डिस्चार्ज से पहले ही सौंपा जा रहा है. अस्पताल प्रबंधन और नगर निगम, नगर परिषद के बीच समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया को सहज बनाया गया है. जिन प्रसूताओं के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं होते, उनके लिए ऑन स्पॉट सहयोग की व्यवस्था भी की गयी है.

गोलमुरी में शिबू सोरेन को चाय पर चर्चा ग्रुप ने दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर, एजेंसी। गोलमुरी में सुधीर चाय दुकान के समीप जननेता शिबू सोरेन की तस्वीर पर सैकड़ों लोगों ने पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. कार्यक्रम की अध्यक्षता चाय पर चर्चा ग्रुप के अध्यक्ष नौशाद खान ने की. उन्होंने कहा कि गुरुजी सिर्फ एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि वो जननेता थे, उनका सहज स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और प्रभावशाली नेतृत्व उनको जनप्रिय बनाता था, उनका जाना राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है. श्रद्धांजलि सभा में विशेष रूप से दिनेश कुमार, प्रोबीर चटर्जी राणा, हरे राम यादव, अभिषेक कुमार, वसीम खान, कुमार आशुतोष, सुरा बिरुली, उपेंद्र बानरा, मनीष बानरा, रवि स्वाइयां, राम मिश्रा, सूरज कुमार, सुरेंद्र सिंह शिंदे, काजू शांडिल्य, साकेत कुमार, पंकज शर्मा, दीपक कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह पिंटू, ऋषभ सिंह, निर्मल गोप, अनिकेत कुमार, सुधीर मंडल, मुमताज, दीपक मुखर्जी, संदीप सेनगुप्ता, शंकर सामड़ आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

झारसेवा पोर्टल का होगा विस्तार, जिले के सभी पैक्सों को मिलेगी आइडी : डीसी

धनबाद, एजेंसी। जिला इ-गवर्नेंस सोसाइटी (डीइजीएस) की कार्यकारिणी की बुधवार को समाहरणालय में उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले में झारसेवा पोर्टल की सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिये गये. डीसी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी 46 पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समिति) को झारसेवा आइडी उपलब्ध करायी जाये, ताकि ग्रामीण स्तर पर ही लोगों को जाति, निवास, आय, ओबीसी, इडब्ल्यूएस और विवाह प्रमाण-पत्र जैसी सुविधाएं मिल सकें. जिले के 1723 कॉमन सर्विस सेंटर को झारसेवा से जोड़ने से पहले संबंधित बीडीओ और सीओ से जांच करायी जायेगी. डीसी श्री रंजन ने जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी के खातों की ऑडिट कराने का निर्देश दिया, ताकि वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता बनी रह।

जमशेदपुर में क्रिकेट का सूखा जल्द होगा खत्म पटमदा में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी की उम्मीदें तेज हो गई हैं। शहर का ऐतिहासिक कीनन स्टेडियम लगभग दो दशकों से अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए अनुपयुक्त बना हुआ है, जिसकी वजह से यहां क्रिकेट का बड़ा आयोजन नहीं हो सका है।

इस लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने पटमदा अंचल के गेंगाड़ा गांव में एक नया अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बुधवार को जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने अधिकारियों के साथ प्रस्तावित 49.5 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया और पहुंच मार्ग को निर्माण की सबसे बड़ी बाधा बताया।

एक समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एक प्रमुख केंद्र रहा जमशेदपुर का कीनन स्टेडियम आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस मैदान पर आखिरी अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैच 2006 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था।

उसके बाद से स्टेडियम की स्थिति लगातार खराब होती गई। स्टेडियम के कई स्टैंड्स की

हालत जर्जर हो चुकी है और उन्हें दर्शकों के लिए असुरक्षित मानकर बंद कर दिया गया है।

टाटा स्टील के स्वामित्व वाले इस स्टेडियम में अब केवल घरेलू रणजी ट्राफी और अन्य छोटे मैच ही होते हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा न उतर पाने के कारण यह शहर क्रिकेट के वैश्विक नक्शे से लगभग गायब हो गया है, जिससे स्थानीय खेल प्रेमियों में भारी निराशा है।

शहर के इसी क्रिकेट सूखे को समाप्त करने के लिए जेएससीए ने अब पूरी ताकत झोंक दी है। बुधवार को जेएससीए के सचिव सौरभ तिवारी ने पटमदा अंचल के गेंगाड़ा गांव का दौरा किया, जहां नए स्टेडियम के लिए जमीन की पहचान की गई है।

उन्होंने पटमदा के अंचलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार दास और अन्य स्थानीय अधिकारियों की टीम के साथ 49.5 एकड़ की इस सरकारी भूमि का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान जमीन की भौगोलिक स्थिति, स्टेडियम तक पहुंचने के रास्ते और संभावित अड़चनों का आकलन किया गया।

अधिकारियों की मौजूदगी में इस स्थल पर स्टेडियम के लिए प्रस्तावित भूमि का बोर्ड भी लगा दिया गया। अंचलाधिकारी ने पुष्टि की कि यह भूमि खाता संख्या 416 और प्लाट संख्या 1624 के तहत झारखंड सरकार की है, जिसे स्टेडियम निर्माण के लिए प्रस्तावित किया गया है। निरीक्षण के बाद जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद से मुलाकात की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्टेडियम के निर्माण और भविष्य में इसके सफल संचालन के लिए सबसे बड़ी चुनौती गेंगाड़ा तक पहुंचने वाली सड़क है।

उन्होंने बताया कि कटिन चौक से गोपालपुर होते हुए गेंगाड़ा जाने वाली सड़क वर्तमान में केवल 15 फीट चौड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों और भारी वाहनों के आवागमन के लिए यह चौड़ाई बिल्कुल अपर्याप्त है। तिवारी ने प्रशासन से अनुरोध किया कि स्टेडियम निर्माण को व्यावहारिक बनाने के लिए इस सड़क को तत्काल चौड़ा किया जाए।

सरकार से मिला सकारात्मक संकेत

सौरभ तिवारी ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है और सरकार की ओर से इस पर सकारात्मक रुख दिखाया जा रहा है।

उन्होंने स्थानीय लोगों को यह विश्वास दिलाया कि स्टेडियम निर्माण का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और इसमें स्थानीय लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

इस पहल का स्वागत करते हुए समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने कहा कि यह स्टेडियम इस क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और स्थानीय युवाओं को खेल की दुनिया में आगे बढ़ने के अनगिनत अवसर प्रदान करेगा।

कबाड़ से कला : रांची नगर निगम ने टायरों में उकेरी हरियाली, मंत्रमुग्ध हुए लोग

रांची, एजेंसी। एक शहर को हाइटेक टेक्नोलॉजी ही स्मार्ट नहीं बनाती है। बल्कि सोच में रचनात्मकता का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। रांची नगर निगम, शहर को खूबसूरत बनाने के लिए अलग ही राह अपना चुका है। निगम ने पहल करते हुए डोरंडा पोस्ट ऑफिस के ठीक सामने कबाड़ के टायरों से खूबसूरती को उकेरा है। यहां टायर रंग-बिरंगे बागीचों में बदल चुके हैं।

यह बदलाव सिर्फ सजावट नहीं है। बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, संसाधनों के दोबारा इस्तेमाल और समाज को नई सोच देने की पहल है। पुराने टायरों को पहले धोया गया, फिर उनमें रंग भरा गया और अब ये टायर छोटे-छोटे ग्रीन जोन में तब्दील हो चुके हैं।

जिसे बेकार समझा वही बना रांची का श्रृंगार

सड़क किनारे जंग खा रहे टायर अब वहां खड़े हैं जैसे किसी कलाकार की मूर्तियां हो। इन टायरों में फूल और पौधे लगे हैं और चारों ओर एक सौंदर्य का अहसास फैल गया है। इस पहल के पीछे एक सोच है, जो चीजें अनुपयोगी लगती हैं, उन्हीं से शहर को संवारा जा सकता है, बशर्ते नजरिया रचनात्मक हो। यह काम नगर निगम की उस टीम का है जो अब पारंपरिक साफ-सफाई और निर्माण की सोच से आगे बढ़कर कला, पुनः उपयोग और नवाचार की राह पर आगे बढ़ रही है।

कबाड़ से कला

यह पूरी पहल रीथिंक रांची जैसी लगती है, एक ऐसा प्रयोग जिसमें हम रोजमर्रा की बेकार चीजों को एक नया आकार और उद्देश्य दे रहे हैं। निगम की इस टीम का नेतृत्व कर रहे सिटी मैनेजर संदीप कुमार, जिनके सुझाव पर यह अभिनव प्रयोग शुरू किया गया, उनका मानना है कि शहर को सजाने के लिए सिर्फ बजट नहीं, आइडिया और कमिटमेंट चाहिए। हमारे शहर में कबाड़ बहुत है। लेकिन अगर सही दिशा दी जाए तो वही कबाड़ शहरी सुंदरता में योगदान दे सकता है। यह परियोजना इसी सोच की शुरुआत है। कला और हरियाली का मेल-संदीप कुमार, सिटी मैनेजर

स्क्रैप मेटेरियल से बनी है एक से बढ़कर एक कलाकृतियां

इस प्रोजेक्ट में कला और पर्यावरण का ऐसा संगम है जो न केवल सुंदर दिखता है, बल्कि समाज को संदेश भी देता है। जहां एक ओर पुराने टायर अब सजावटी घेराबंदी का काम कर रहे हैं, वहीं उनमें पौधे शहरी हरियाली बढ़ाने का काम भी कर रहे हैं। ऐसा ही प्रयोग पहले एयरपोर्ट रोड पर किया गया था, जहां स्क्रैप मेटेरियल से तैयार की गई कलाकृतियों ने राहगीरों का ध्यान खींचा था। वहां की दीवारों पर स्थानीय संस्कृति और जनजातीय जीवन से जुड़ी आकृतियां उकेरी गई थी। अब उसी सोच को शहर के दूसरे हिस्सों तक फैलाया जा रहा है।

थ्री आर पर आधारित सोच

रांची नगर निगम की टीम इस परियोजना को थ्री आर सिद्धांत पर आगे बढ़ा रही है। यानी संसाधनों का कम से कम इस्तेमाल, पुराने सामानों को फिर से उपयोग में लाना और जितना हो सके उतना रिसाइक्लिंग करना। यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि इसके जरिए शहर को एक स्थायी और टिकाऊ मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। खास बात यह है कि इससे नागरिकों के मन में भी यह सोच पैदा हो रही है कि घरों में पड़ा बेकार सामान भी खूबसूरत बन सकता है।

स्क्रैप से बनाया गया था बिरसा मुंडा का पुतला

इस पूरी पहल को लेकर नगर निगम अब इसे जनभागीदारी का रूप देना चाहता है। यानी निगम अब शहर के लोगों को भी जोड़ना चाहता है कि वे भी अपने मोहल्लों, गलियों, चौक-चौराहों को अपने स्तर पर सजा-संवार सकें। जल्द ही एक अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें लोगों को सिखाया जाएगा कि कैसे टूटी बाल्टी, पुरानी बाइक की टंकी, स्कूटर के मिरर या कबाड़ में पड़े टायरों से सुंदर बगीचे, शोपीस या सीटिंग स्पेस तैयार किए जा सकते हैं।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब रांची नगर निगम ने स्क्रैप से कुछ रचनात्मक करने की कोशिश की हो। ऐसे ही कुछ साल पहले, नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर स्थापित की गई बिरसा मुंडा की कलाकृति भी स्क्रैप से ही तैयार की गई थी-गौतम कुमार, अधिकारी, रांची नगर निगम

इतिहास और तकनीक का मेल

आयरन वेस्ट मेटेरियल, बाइक की चेन, गियर, पुराने वाहन के पुर्जे और मेटल स्क्रैप से बनी इस प्रतिमा ने न सिर्फ लोगों का ध्यान खींचा था, बल्कि यह भी बताया था कि इतिहास और तकनीक का मेल कैसे प्रेरणादायी हो सकता है। अब निगम की योजना है कि इस प्रयोग को शहर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाया जाए। कांटा टोली, अल्बर्ट एक्का चौक, बिरसा चौक और अन्य प्रमुख स्थलों पर कबाड़ से बनी कलाकृतियां लगाने की योजना तैयार की जा रही है।

शहर के स्मार्ट बनने में संवेदना और सृजन की भागीदारी

इस प्रयोग से रांची न केवल एक अलग पहचान बना रही है, बल्कि यह उदाहरण भी पेश कर रही है कि छोटे शहर भी पर्यावरण और कला के क्षेत्र में नई सोच से आगे बढ़ सकते हैं। शहर का स्मार्ट बनना सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, संवेदना और सृजन से भी होता है। रांची नगर निगम का यह प्रयोग यह बताता है कि स्मार्टनेस का मतलब सिर्फ हाई-फाई इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि ऐसी सोच जो बेकार चीजों को उपयोगी बना सके।

आईआईएम रांची में अब नहीं होगा मिड-टर्म परीक्षा

रांची, एजेंसी। आइआइएम रांची ने प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल की है। संस्थान ने पारंपरिक परीक्षा हाल आधारित मिड-टर्म परीक्षाओं को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसकी जगह (एआइ) आधारित व्यवसायिक समस्या-समाधान प्रोजेक्ट्स को लागू किया है। इस पहल को वाई यानी वर्किंग विद एआइ प्रोजेक्ट का नाम दिया गया है।

यह पूर्व के मूल्यांकन पद्धति से पूरी तरह अलग है। वाई के अंतर्गत वर्तमान समय की व्यावसायिक चुनौतियों और शिक्षण दर्शन का समावेश किया गया है।

आइआइएम रांची ने बीते अकादमिक वर्ष से ही अपने पाठ्यक्रम को बदलना शुरू कर दिया था और व्यावहारिक व्यवसायिक समस्या, चुनौतियों और उनके समाधान को केंद्र में रखकर पाठ्यक्रम तैयार करने की पहल शुरू की है।

इस संबंध में निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि पारंपरिक व्यावसायिक पद्धति की तुलना में आधुनिक व्यवसाय, व्यापार और प्रबंधक की जिम्मेदारियों में परिवर्तन आया है। इसके लिए केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है बल्कि बाजार की मांग के अनुरूप तकनीकी व्यवस्थाओं को अपनाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। इसके सहयोग से तकनीक आधारित जटिल समस्याओं का समाधान और कार्य क्षमता को विकसित किया जा सकता है। स्टूडेंट एंगेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी (एसइडीसी) के चेयरपर्सन प्रो. गौरव मनोहर मराठे ने कहा संस्थान ने केवल मिड-टर्म परीक्षा पद्धति में बदलाव किया है। हालांकि मिड-टर्म परीक्षा पारंपरिक हाल रूम व पेन एंड पेपर मोड पर ही होगी। शिक्षण पद्धति में हाइब्रिड माडल को शामिल करने से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक लेखन और सैद्धांतिक स्पष्टता के साथ-साथ तकनीकी दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल प्रबंधन शिक्षा में भविष्य की दिशा तय करेगी।

सीएम 14 अगस्त तक नेमरा में रहेंगे, 'तीन कर्मा' की तैयारी

रांची, एजेंसी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंत्येष्टि के बाद होने वाले पारंपरिक अनुष्ठानों की तैयारियां तेज हो गई हैं। गुरुजी का श्राद्धकर्म 10 दिन तक चलेगा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 14 अगस्त तक नेमरा में ही रुकेंगे।

इधर, बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पैतृक गांव नेमरा में ग्रामीणों के साथ पारंपरिक 'तीन कर्मा' (तीन नहान, दस कर्म और श्राद्ध) से जुड़े कार्यक्रमों पर चर्चा की। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय परंपरा से संबंधित अनुभवों को साझा किया। कई सुझाव दिए। इसके बाद हेमंत सोरेन ने बारिश के बीच गांव में दशकर्म के आयोजन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, टेंट, भोजन स्थल और साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। साफ-सफाई की जानकारी ली। अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

कई मंत्री-नेता नेमरा पहुंचे, अखिलेश 10 को आएंगे इस बीच, शोक संवेदना जताने वालों का सिलसिला भी जारी है। इधर, बुधवार सुबह सांसद जोबा मांझी और वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने नेमरा पहुंचकर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री को सांत्वना दी। वहीं, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नेमरा ने श्राद्धकर्म की तैयारियों का जायजा लिया। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी 10 अगस्त को नेमरा पहुंचेंगे।

प्रदेश के 6 जिलों में आंधी के साथ भारी वर्षा-वज्रपात का येलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के 6 जिलों में 8 अगस्त 2025 (शुक्रवार) को भारी वर्षा की चेतावनी दी गयी है. मौसम विभाग ने कहा है कि संताल परगना के 6 जिलों में आंधी के साथ वर्षा-वज्रपात होने की संभावना है. इसलिए लोगों को सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है.

मौसम केंद्र रांची के प्रमुख अभिषेक आनंद ने कहा है कि संताल परगना के देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले में कुछ जगहों पर शुक्रवार को 7 से 11 सेंटीमीटर यानी 70 से 110 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने कहा है कि मानसून ट्रफ इस वक्त फिरोजपुर, चंडीगढ़ से होते हुए हिमालय और अरुणाचल प्रदेश की ओर बढ़ रहा है. बांग्लादेश में जो चक्रवातीय परिसंचरण बना हुआ है, वह दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है. इसका असर झारखंड के मौसम पर देखने को मिलेगा. उन्होंने बताया कि झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान मानसून

सामान्य रहा. लगभग सभी जगहों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हुई. सबसे अधिक 75.2 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम के डुमुरिया में हुई. इस दौरान सबसे अधिक उच्चतम तापमान सारयकेला में और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार जिले में दर्ज किया गया. सरायकेला का उच्चतम तापमान 35.4 डिग्री और लातेहार का न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस रहा. अगले 3 दिन में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है।

कड़िया मुंडा से मिलने पहुंचे पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, टूटे पुल और डायवर्सन को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

खूंटी, एजेंसी। 19 जून को भारी बारिश के बीच खूंटी की बनई नदी में पुल ढहे दो महीने हो गए हैं। अभी तक वैकल्पिक डायवर्सन का निर्माण नहीं हो सका है। पथ निर्माण विभाग की कार्यशैली और जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये को लेकर जिले में राजनीतिक बयानबाजी जारी है। पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बाईपास और टूटे पुल से हो रही परेशानियों को लेकर सरकार की जमकर आलोचना की है।

बुधवार को अर्जुन मुंडा पद्मभूषण से सम्मानित कड़िया मुंडा से मिलने उनके आवास गए। उन्होंने बीमार कड़िया मुंडा से मुलाकात की और उनका हाल जाना। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने झारखंड सरकार और क्षेत्र के विधायकों समेत सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि खूंटी बाईपास के मुद्दे पर राज्य सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौन और निष्क्रिय हैं। जब तक किसानों को मुआवजा देकर जमीन का अधिग्रहण नहीं हो जाता, तब तक निर्माण शुरू नहीं हो सकता। सड़कें जमीन पर बनती हैं, आसमान में नहीं। उन्होंने कहा कि बिना जमीन अधिग्रहण के केंद्र सरकार टेंडर जारी नहीं कर सकती। टेंडर प्रक्रिया की अपनी लागत होती है। जब तक 80 प्रतिशत जमीन का अधिग्रहण नहीं हो जाता, टेंडर जारी नहीं किया जाएगा।

खूंटी में बनई नदी पर बने पुल के ढहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कई जगहों पर पुल-पुलिया टूटे हुए हैं। सरकार और विभाग को इस ओर ध्यान देना चाहिए। जहां मजबूत डायवर्सन की जरूरत है, वहां तुरंत डायवर्सन बनाया जाना चाहिए।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि वे कर्रा होते हुए खूंटी आए। रास्ते में उन्होंने देखा कि ग्रामीण सड़कों पर बड़े और भारी वाहन दौड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या ये सड़कें भारी वाहनों के लिए उपयुक्त हैं। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। इससे गांव की सड़कें खराब होंगी और ग्रामीणों को परेशानी होगी। इन सड़कों को भारी वाहनों के लिए उपयुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ गांव की सड़कें जर्जर हैं, दूसरी तरफ़ पुल-पुलिया टूटे हुए हैं।

बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पद्म भूषण कड़िया मुंडा पिछले एक महीने से बीमार हैं और कुछ दिन पहले ही इलाज के बाद अस्पताल से लौटे हैं। आम्रेश्वर धाम में पूजा-अर्चना के बाद पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा सीधे अनिगड़ा स्थित पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा के आवास पहुंचे।

थायराइड कैंसर कब और क्यों होता है? जानिए शुरुआती लक्षण

क्या आपको मालूम है कि थायराइड कैंसर नाम की भी एक बीमारी होती है। इसमें गले में मौजूद तितली के आकार की थायराइड ग्रंथि की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती है। थायराइड हमारे शरीर में मौजूद एक छोटी सी ग्रंथि होती है, जो गले के सामने वाले हिस्से में तितली के आकार में स्थित होती है। यह ग्रंथि हमारे शरीर के कई जरूरी कार्यों को नियंत्रित करने वाले हार्मोन बनती है। अपने थायराइड के बारे में तो सुना होगा। लेकिन, क्या आपको मालूम है कि थायराइड कैंसर भी हो सकता है?

थायराइड कैंसर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें गले में मौजूद तितली के आकार की थायराइड ग्रंथि की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती है। हालांकि थायराइड कैंसर,आम कैंसर की तुलना में बहुत तेजी से नहीं बढ़ता है लेकिन अगर इसे पहचान में देरी हो जाए तो आपकी दिक्कत बढ़ सकती है।

क्यों होता है थायराइड कैंसर?

थायराइड कैंसर तब होता है, जब इस ग्रंथि की कोशिकाओं में डीएनए म्यूटेशन आ जाते हैं। यह म्यूटेशन कोशिकाओं को अनियंत्रित रूप से बढ़ने और लंबे समय तक जीवित रहने के संकेत देते हैं, जिससे कैंसर कोशिकाएं बनती है। इसके अलावा रेडिएशन एक्सपोज़र, हार्मोनल बदलाव, आयोडीन की कमी, फैमिली हिस्ट्री भी इसके संभावित कारण हो सकते हैं। ये चार प्रकार के होते हैं।

- पैपिलरी थायराइड
- फॉलिक्यूलर कैंसर
- मेडुलरी कैंसर
- एनाप्लास्टिक कैंसर

थायराइड कैंसर के लक्षण

थायराइड कैंसर की शुरुआती चरण में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। लेकिन, जैसे-जैसे गांठ बढ़ती है, नीचे दिए गए लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

- गले में सूजन या गांठ
- खाने या पानी निगलने में परेशानी होना।
- गर्दन के किनारों पर लिंफ नोड्स का बढ़ना।
- आवाज में बदलाव या भारीपन होना।
- सांस लेने में तकलीफ होना, क्योंकि गांठ बढ़ने पर ट्रेकिया दबने लगता है।
- कई बार यह गांठ पेनलेस होती है, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ती रहती है।

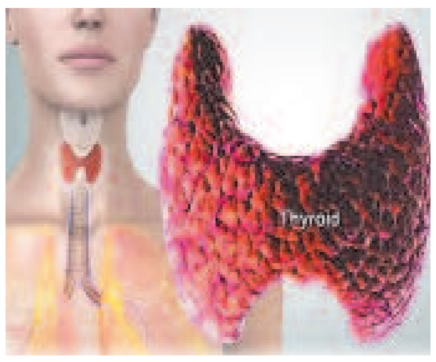

आपको डिप्रेशन हो रहा है या एंग्जायटी, पहचानें घबराहट के लक्षण

मेंटल हेल्थ का पूरा-पूरा असर शरीर पर पड़ता है। अगर आपकी मेंटल हेल्थ यानी मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा, तो शरीर पर भी उसका असर दिखने लगेगा। लेकिन, अक्सर ऐसा होता है कि हम समझ नहीं पाते हैं कि आखिर हमारे साथ क्या हो रहा है, ऐसे में उसका इलाज करना भी मुश्किल हो जाता है। मेंटल हेल्थ की जब भी बात की जाती है तो सबसे पहले डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसे शब्द हमारे सामने आते हैं। ज्यादातर लोग डिप्रेशन और एंग्जायटी को एक समझ लेते हैं, लेकिन दोनों में अंतर होता है। एंग्जायटी में शख्स बहुत ज्यादा चिंता करने लगता है और भविष्य को लेकर डर बैठा लेता है। वहीं, डिप्रेशन में लंबे समय तक उदासी बनी रहती है और उसका कोई भी काम करने का मन नहीं करता है। डिप्रेशन और एंग्जायटी होना बहुत ही नॉर्मल है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक आपके साथ बनी हुई है, तो यह रोजमर्रा की जिंदगी पर भी असर डाल सकती है। ऐसे में लक्षणों की पहचान करके यह समझना जरूरी है कि आपको डिप्रेशन है या एंग्जायटी। इससे इलाज में भी खूब मदद मिलती है।

क्या होती है एंग्जायटी?

चाइल्ड एंड क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट माला वोहरा खन्ना के मुताबिक, जिसे एंग्जायटी की समस्या होती है वह बहुत ज्यादा चिंता करने लगता है और भविष्य को लेकर मन में डर बैठा लेता है कि आगे क्या होगा। उसे डर लगता रहेगा कि कुछ गलत तो नहीं हो जाएगा। एंग्जायटी में शख्स ज्यादातर भविष्य के बारे में सोचता है।

क्या होते हैं एंग्जाइटी के लक्षण?

- एक्सपर्ट के मुताबिक, एंग्जायटी का सबसे पहला लक्षण बेचैनी होती है। बेचैनी के साथ-साथ चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है।
- एंग्जायटी में कंसंट्रेशन यानी एकाग्रता की कमी भी होने लगती है। अगर एंग्जायटी की समस्या से जूझ रहे हैं तो किसी भी चीज में ध्यान लगाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
- एंग्जायटी में नींद की दिक्कत भी आने लगती है। इसके साथ ही, कभी-कभी बहुत पसीना आना और अचानक दिल की धड़कनें बढ़ जाना भी एंग्जायटी के लक्षण हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, छाती में भारीपन लगना और लगातार घबराहट का होना एंग्जायटी का बड़ा लक्षण माना जाता है।
- एंग्जायटी में मूड में टेंशन, नवर्सनेस रहने लगती है और चीजों को लेकर एक्साइटमेंट भी बहुत कम हो जाता है।
- एंग्जायटी और स्ट्रेस में ब्रीथिंग एक्सरसाइज बहुत फायदेमंद मानी जाती है।

क्या होता है डिप्रेशन?

एक्सपर्ट के मुताबिक, जो डिप्रेशन से गुजर रहा होता है उसे जिंदगी निराशा से भरी लगने लगती है। वह खुद को बेकार समझने लगता है और अपने बारे में कुछ अच्छा नहीं मानता। डिप्रेशन के लक्षणों पर भी एक्सपर्ट ने बात की है, जो बहुत बेसिक से लेकर बहुत सीरियस भी हो सकते हैं।

क्या होते हैं डिप्रेशन के लक्षण?

डिप्रेशन की वजह से शख्स का किसी भी काम में मन नहीं लगता है और वह काम को टालने की लगातार कोशिश करता रहता है।

खाने-पीने का भी मन नहीं करता है और शरीर में भी हमेशा थकान का अहसास होने लगता है।

किसी भी चीज पर बहुत ज्यादा देर तक ध्यान नहीं लग पाता है और इसी वजह से परेशानी का भी सामना करना पड़ता है।

डिप्रेशन में मूड हमेशा लो रहता है और अच्छी चीजों में भी कुछ खास एक्साइटमेंट नहीं महसूस होती। अगर इनमें से कुछ भी लक्षण आपको या आपके परिवार के किसी भी सदस्य को महसूस हो रहे हैं, तो तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए, क्योंकि यह कई बार बेहद खतरनाक भी हो सकता है।

डिप्रेशन और एंग्जायटी, ये शब्द आजकल हर किसी की जुबां पर रहने लगे हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आखिर दोनों में क्या अंतर है और कैसे घबराहट के लक्षणों को पहचाना जा सकता है।

क्या डिप्रेशन और एंग्जायटी साथ-साथ हो सकते हैं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, डिप्रेशन और एंग्जायटी साथ में भी हो सकते हैं। ऐसा नहीं है कि दोनों हमेशा अलग-अलग होते हैं। कई बार यह दोनों साथ में भी हो सकते हैं। डिप्रेशन में ज्यादातर शख्स निराश रहता है और खुद को बेकार समझने लगता है। वहीं, एंग्जायटी में ज्यादातर भविष्य को लेकर परेशान रहता है कि आगे क्या होगा और कैसे होगा। कई बार एंग्जायटी और डिप्रेशन बहुत ज्यादा तनाव की वजह से हो सकता है। तनाव को योगा से भी कम किया जा सकता है।

क्या एंग्जायटी और डिप्रेशन का इलाज हो सकता है?

डिप्रेशन और एंग्जायटी दोनों का ही इलाज हो सकता है, इसे किसी भी तरह का टैबू नहीं समझना चाहिए और इस पर खुलकर बात करनी चाहिए। तभी इसका इलाज भी संभव है। डिप्रेशन और एंग्जायटी दोनों के इलाज के लिए टॉक थेरेपी, दवाइयां, और दोनों का कॉम्बिनेशन भी डॉक्टर सजेस्ट करते हैं। डिप्रेशन-एंग्जायटी की दवाइयां हमेशा डॉक्टर की सलाह के बाद ही लेनी चाहिए, बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी तरह की दवा के सेवन से हमेशा बचना चाहिए

कीटो डाइट पर हैं तो इन ऑयल्स को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

अगर आप कीटो डाइट को फॉलो कर रही हैं या कीटो डाइट शुरू करना चाहती हैं तो ऐसे में आपको कुछ ऑयल्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जानिए इस लेख में।

हेल्दी रहने के लिए हम सभी कई तरह की डाइट फॉलो करते हैं। कुछ डाइट ऐसी हैं, जो दुनियाभर में बहुत पॉपुलर हैं। इन्हीं में से एक है कीटो डाइट। यह एक ऐसी डाइट है, जिसे वेट लॉस के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह एक हाई फैट डाइट है, जिसमें कार्ब्स का सेवन कम से कम किया जाता है। जब भी बात फैट की होती है तो उसमें सबसे पहले ऑयल्स का नाम दिमाग में आता है। यह सच है कि कीटो डाइट को फॉलो करते हुए ऑयल को हम सभी अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं, लेकिन सही तेल का चयन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे कई ऑयल्स होते हैं, जिन्हें कीटो-फ्रेंडली माना जाता है और इसलिए इन्हें आप आसानी से अपनी डाइट मे शामिल सकते हैं।

नारियल तेल

नारियल तेल कई तरह के गुणों से भरपूर है और कीटो डाइट पर रहते हुए भी आप इसका सेवन आसानी से कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि नारियल तेल में मीडियम-चेन ट्राइग्लिसराइड्स की मात्रा अधिक होती है, जो तेजी से अवशोषित होकर कीटोन्स में परिवर्तित हो जाते हैं। इससे ना केवल आपको लगातार एनर्जी मिलती है, बल्कि यह कीटोसिस को बनाए रखने में भी मददगार है। इतना ही नहीं, नारियल तेल मेटाबॉलिज्म को बूस्टअप करने में सहायक है, जिससे जिससे कीटो डाइट पर वजन कम करना आसान हो जाता है।

एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल

कीटो डाइट फॉलो करते हुए एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल का सेवन करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, ऑलिव ऑयल ओलिक एसिड से भरपूर होता है, जो एक मोनोअनसैचुरेटेड फैट है। यह या केवल हार्ट फ्रेंडली है, बल्कि इंफ्लेमेशन को कम करने में भी मदद करता है। इसमें पॉलीफेनॉल्स होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो आपकी ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल रखते हैं। यह एक प्योर फैट सोर्स के रूप में कार्ब्स को शामिल किए बिना आपको एनर्जी देता है, इसलिए इसे कीटो डाइट के लिए एकदम सही माना जाता है। आप ऑलिव ऑयल को कम से मध्यम आंच पर खाना पकाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर इसे सलाद ड्रेसिंग आदि में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एवोकाडो तेल

कीटो डाइट को फॉलो करते हुए आप एवोकाडो तेल को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। चूंकि एवोकाडो तेल भी कार्बोहाइड्रेट-मुक्त होता है, इसलिए इसे कीटो डाइट के लिए एकदम सही माना जाता है। इतना ही नहीं, ऑलिव ऑयल की तरह एवोकाडो तेल हार्ट फ्रेंडली मोनोअनसैचुरेटेड फैट में समृद्ध है। इतना ही नहीं, एवोकाडो तेल में विटामिन ई और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जो स्किन हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। एवोकाडो तेल का इस्तेमाल करने का एक फायदा यह भी है कि इसका स्मोक पॉइंट बहुत अधिक होता है, जिससे आप इसका इस्तेमाल ग्रिलिंग, तलने और भूनने के लिए कर सकते हैं।

लो बीपी की है समस्या, तो डाइट में शामिल करें ये चीजें

लो ब्लड प्रेशर को हाइपोटेंशन भी कहते हैं और चक्कर आना, बेहोशी, ब्लर विजन और थकान जैसी कंडीशन्स इसके लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए डॉक्टर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। चिकित्सा उपचार के अलावा, अपने आहार में आपको जरूरी बदलाव भी करने चाहिए। ऐसी कई चीजें हैं जो आपके ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लें

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। अगर आप डिहाइड्रेटेड हैं, तो इससे ब्लड प्रेशर में गिरावट हो सकती है। इसके लिए, दिन में कम से कम 8 गिलास पानी पीने का लक्ष्य रखें। गर्म मौसम में या वर्कआउट के बाद, अपना वॉटर इनटेक जरूर बढ़ाएं। स्पोर्ट्स ड्रिंक, नारियल पानी और ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, इसलिए इन ड्रिंक्स का सेवन जरूर करें।

छोटी-छोटी मील्स लें

क्या आपको पता है ज्यादा खा लेने से भी एकदम ब्लड प्रेशर कम हो सकता है। ऐसा आमतौर पर ओल्डर एडलट्स के साथ होता है। इसे रोकने के लिए, पूरे दिन में छोटे-छोटे मील्स लेना ज्यादा अच्छा है। दिनभर में छोटे-छोटे और ज्यादा मील लें। अपने ऊर्जा स्तर को स्टेबल रखने के लिए प्रोटीन, हेल्दी फैट्स और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट को शामिल करें।

अपने आहार में नमक शामिल करें

नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि नमक का सेवन बहुत ज्यादा मात्रा में न करें, क्योंकि इससे अन्य समस्याएं हो सकती हैं। अपने भोजन में बहुत ज्यादा नमक कभी न डालें। पहले थोड़ी मात्रा में डालकर स्वाद चखें फिर उसे बढ़ा सकते हैं। अपने आहार में ऑलिव, अचार और पनीर जैसे सॉल्टी खाद्य पदार्थ शामिल करें, लेकिन मॉडरेशन का ध्यान रखें।

कैफीन का सेवन करें

कैफीन युक्त पेय पदार्थ ब्लड प्रेशर बढ़ाने के लिए अच्छा विकल्प है। कैफीन पीने से एड्रेनल ग्लैंड्स ज्यादा एड्रेनलाइन रिलीज करते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। अगर आपको लगे कि आपका ब्लड प्रेशर लो हो गया है, तो एक कप कॉफी या चाय आपकी मदद कर सकती है। हालांकि, अत्यधिक कैफीन के सेवन से बचना चाहिए क्योंकि इससे नींद की कमी, पैलपिटेशन और अन्य कई कंडीशन उत्पन्न हो सकती हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं

सही ब्लड प्रेशर के स्तर को बनाए रखने के लिए कुछ पोषक तत्व आवश्यक हैं। कोशिश करें कि अपने आहार में ऐसे ही चीजों को शामिल करें-

विटामिन बी12- मांस, अंडे, डेयरी उत्पादों और फोर्टिफाइड अनाज में पाया जाता है। विटामिन बी12 की कमी से एनीमिया हो सकता है, जिससे भी ब्लड प्रेशर भी कम हो सकता है।

फोलेट - पत्तेदार सब्जियों, बीन्स, दाल और फोर्टिफाइड अनाज में पाया जाता है। फोलेट लाल रक्त कोशिका उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है।

आयरन - लाल मांस, बीन्स, दाल और पालक आदि में पाया जाता है। आयरन की कमी से एनीमिया हो सकता है, जिससे ब्लड प्रेशर काफी लो हो सकता है।

कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट शामिल करें

कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट एनर्जी का एक स्टेबल स्त्रोत

प्रदान करते हैं और स्टेबल ब्लड प्रेशर के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। अपने आहार में ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ और साबुत गेहूं को शामिल करें।

लो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के टिप्स-

- थोड़े-थोड़े समय पर खाना खाएं। एक ही समय पर ज्यादा भोजन न करें क्योंकि इससे ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि शरीर ज्यादा भोजन पचाने के लिए अधिक मेहनत करता है।
- अधिक पानी पिएं और शराब का सेवन न करें। शराब पीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है, जो बल्ड प्रेशर लो कर सकता है।
- सौना, हॉट टब और स्टीम रूम में लंबे समय तक रहने से बचें जो डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं।
- लंबे समय तक बिस्तर पर आराम करने से बचें।

गवर्नर ने खारिज किया ट्रंप का मृत अर्थव्यवथा का बयान, कहा-

वैश्विक वृद्ध में भारत का योगदान 18 प्रतिशत, यूएस का 11

मुंबई, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था के बयान को खारिज करते हुए कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वैश्विक वृद्धि में भारत का योगदान अमेरिका से काफी अधिक है।

मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा देते हुए बुधवार को कहा, हम वैश्विक वृद्धि में करीब 18 फीसदी योगदान दे रहे हैं। यह करीब 11 फीसदी का योगदान देने वाले अमेरिका से कहीं अधिक है। जहां तक मृत अर्थव्यवस्था की बात है तो, भारतीय जीडीपी के चालू वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि अमेरिका की विकास दर 2 फीसदी रहने का अनुमान है।वैश्विक वृद्धि दर तीन फीसदी रह सकती है। दरअसल, ट्रंप ने रूस से सस्ते कच्चे तेल की खरीद जारी रखने पर नाराजगी जताते हुए भारत को मृत अर्थव्यवस्था बताया था। इस बयान से भारत–अमेरिका संबंधों पर असर पड़ने की आशंकाओं पर गवर्नर ने कहा, अगर भारत को अपनी तेल खरीद रूस के बजाय कहीं और से करने के लिए मजबूर किया गया तो भी उसका घरेलू महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अडानी की कंपनी के 2.2 करोड़ शेयर बिके

विदेशी फर्म ने 790 रुपये के भाव पर की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। अबुधाबी की निवेश प्रबंधन कंपनी आईएचसी ने बुधवार को अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड में अपनी 1.83 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,737 करोड़ रुपये में बेच दी। बीएसई और एनएसई पर बल्क डील के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) ने अडानी एनर्जी

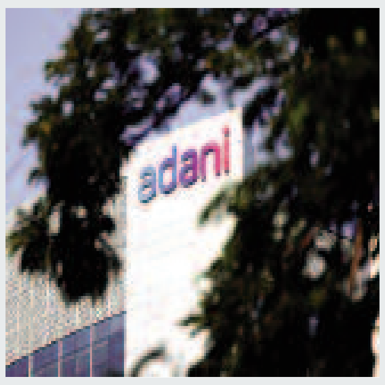

सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के लगभग 2.2 करोड़ इक्विटी शेयर बेच दिए। आईएचसी ने यह डील अपनी सहयोगी इकाई एनवेस्टकॉम होल्डिंग आरएससी लिमिटेड के माध्यम से की है।

790 रुपये पर डील

यह शेयर बिक्री अडानी समूह की कंपनी एईएसएल में 1.83 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इन शेयरों की बिक्री औसतन 790 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की गई। इस तरह शेयर बिक्री का कुल मूल्य 1,736.73 करोड़ रुपये रहा। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद एईएसएल में एनवेस्टकॉम होल्डिंग की हिस्सेदारी 2.68 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत हो गई है। इस साल मार्च में आईएचसी ने अडानी एंटरप्राइजेज के 84.49 लाख शेयर लगभग 1,800 करोड़ रुपये में बेचे थे।

ट्रंप ने भारत पर थोपा 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ

रूसी तेल खरीद पर जुर्माना

नया फैसला 27 अगस्त से प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ रूस से तेल खरीदना जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाया गया है। अतिरिक्त टैरिफ के बाद कुछ छूट प्राप्त वस्तुओं को छोड़कर, भारतीय वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत होगा। ट्रंप ने अपने प्रारंभिक टैरिफ लागू होने से 14 घंटे से भी कम समय पहले अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। 30 जुलाई को ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया था, जो 7 अगस्त यानी आज से प्रभावी होगा। वहीं, अतिरिक्त टैरिफ 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप पिछले दिनों कई बार यह बात दोहारा चुके हैं कि भारत, रूस से तेल खरीदता है और ऐसा करके वह यूक्रेन युद्ध को भड़काने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मदद कर रहा है। एक दिन पहले भी उन्होंने 24 घंटे के भीतर भारत पर बहुत अधिक टैरिफ लगाने की बात कही थी।

कम शुल्क से भारत के प्रतिस्पर्धियों को अमेरिकी बाजार में मिलेगी बढ़त- अमेरिका के टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी करने से भारत पर दोहरी मार पड़ने की संभावना है। अधिक टैरिफ होने से भारत के कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर सबसे बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा, म्यांमार, कंबोडिया और बांग्लादेश जैसे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धी देशों पर कम शुल्क होने से अमेरिका बाजार में भारतीय उत्पादों के पिछड़ने का खतरा भी पैदा हो गया है।

किन देशों पर कितना टैरिफ

अतिरिक्त टैरिफ के बाद भारत ब्राजील के साथ दुनिया का सबसे अधिक अमेरिकी टैरिफ वाला देश बन जाएगा। अमेरिका ने म्यांमार पर 40 फीसदी, थाईलैंड और कंबोडिया पर 36-36 फीसदी, बांग्लादेश पर 35 फीसदी, इंडोनेशिया पर 32 फीसदी, चीन और श्रीलंका पर 30-30 फीसदी, मलयेशिया पर 25 और फिलिपींस और वियतनाम पर 20-20 फीसदी टैरिफ लगाया है। इन देशों का अमेरिका के साथ कई क्षेत्रों में कारोबार है, जिसका सीधा भारत से संबंध है। अब जब इन देशों पर और भारत पर अधिक टैरिफ होगा, तो स्वाभाविक रूप से अमेरिकी बाजार में भारत के इन प्रतिस्पर्धी देशों को बढ़त मिलेगी।

इन क्षेत्रों पर पड़ेगा असर

अमेरिका के बढ़े टैरिफ पर जिन क्षेत्रों को सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ेगा, उनमें वस्त्र/परिधान (10.3 अरब ऑलर), रत्न एवं आभूषण (12 अरब डॉलर), झींगा (2.24 अरब डॉलर), चमड़ा एवं जूते (1.18 अरब डॉलर), पशु उत्पाद, रसायन (2.34 अरब डॉलर) और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी (9 अरब डॉलर) शामिल हैं। निर्यातकों के अनुसार, इस कदम से अमेरिका को भारत के 86 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा।

पूर्व राजनयिक ने कहा-

ट्रंप का रास्ता तर्कहीन, फैसले एकतरफा; उद्योग जगत बोला- अर्थव्यवस्था पर असर कम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इस फैसले से भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। हालांकि भारत के कई विशेषज्ञों और आर्थिक संस्थानों ने इसे चिंताजनक लेकिन नियंत्रण में बताया है। पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने ट्रंप के फैसले को अतार्किक और व्यक्तिगत नाराजगी से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा ट्रंप एक बार फिर बिना वजह सजा देने के रास्ते पर चल पड़े हैं। 6 जुलाई को भारत–अमेरिका के बीच वार्ता

लगभग पूरी हो चुकी थी, लेकिन खुद ट्रंप ने उसे रोककर अपनी टीम को फिर से बातचीत शुरू करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने सवाल उठाया, अगर अमेरिका कहता है कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, तो क्या वह वैसा ही सस्ता तेल दे सकता है भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को पहले रखना ही होगा। अनिल त्रिगुणायत ने यह भी कहा कि, लगता है कि पश्चिमी देश भारत की स्वतंत्र आर्थिक ताकत से खुश नहीं हैं और उसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसमें उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। डॉ. रणजीत मेहता, जो भारत के प्रमुख वाणिज्य मंडल के ष्टश्वह्र हैं, उन्होंने कहा कि टैरिफ से नुकसान तो है, लेकिन वो बहुत सीमित है। उन्होंने कहा, हमने एक रिपोर्ट में इसका अध्ययन किया है। भारत का अमेरिका को 2024–25 में कुल निर्यात करीब 88 अरब डॉलर है। इस 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ से लगभग 1.87 प्रतिशत (यानि 8.11 अरब डॉलर) का असर पड़ेगा। उन्होंने आगे बताया, अगर हम भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर असर देखें, तो यह सिर्फ 0.19 प्रतिशत से 0.38 प्रतिशत के बीच है। हमारी अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत है कि ऐसे बाहरी झटकों को झेल सकती है।

टैरिफ से इन क्षेत्रों में लग सकता है झटका

वहीं इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने कहा, ट्रंप के इस कदम से औषधि, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों को झटका लगेगा। लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि भारत एक घरेलू खपत पर आधारित अर्थव्यवस्था है। जैसे हमने 2008 का आर्थिक संकट और कोविड–19 की महामारी को झेला, वैसे ही इस झटके को भी झेल लेंगे।

अमेरिका में 9 लाख करोड़ का नया निवेश करेगा एपल

टिम कुक ने ट्रंप को मेड इन अमेरिका 24 कैरेट सोने का तोहफा दिया

वॉशिंगटन एजेंसी। एपल के सीईओ टिम कुक ने अमेरिकी में 100 बिलियन डॉलर (लगभग 8.7 लाख करोड़ रुपए) के नए निवेश की घोषणा की है। अब एपल का अमेरिका में कुल निवेश बढ़कर 600 बिलियन डॉलर (लगभग 53 लाख करोड़ रुपए) हो जाएगा। टिम कुक ने ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और उन्हें एक तोहफा भी दिया।

यह तोहफा गोरिल्ला ग्लास से बनी एक बड़ी गोल डिस्क है, जो आईफोन में भी इस्तेमाल होने वाला ग्लास है। इस डिस्क के बीच में एपल का लोगो बना हुआ है। इसके अलावा, इस उपहार के ऊपर राष्ट्रपति ट्रम्प का नाम लिखा है और मेड इन यूएसए - 2025 लिखा है। ये डिस्क 24 कैरेट सोने के स्टेंड पर लगी हुई है। भारत में प्रोडक्शन पर भी फोकस कर रहा एपल

एपल चीन से हटकर भारत में आईफोन का प्रोडक्शन पर फोकस कर रहा है। अमेरिका में बिकने वाले 78 प्रतिशत आईफोन भारत में बन रहे हैं। मार्केट रिसर्चर कैनालिस के मुताबिक 2025 में जनवरी से जून के बीच भारत में 23.9 मिलियन (2 करोड़ 39 लाख) आईफोन बने, जो पिछले साल की तुलना में 53 प्रतिशत ज्यादा है।

वहीं रिसर्च फर्म साइबर मीडिया रिसर्च के अनुसार भारत से आईफोन का निर्यात (भारत से विदेश भेजे गए आईफोन) भी बढ़कर 22.88 मिलियन (2 करोड़ 28 लाख) यूनिट तक पहुंच गया है। पिछले साल समान अवधि (जनवरी से जून) में ये भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का आंकड़ा 15.05 मिलियन (1 करोड़ 50 लाख) था।

आनंद राठी समेत 5 आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर पैसा लगाने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 5 कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दे दी है। इनमें से एक कंपनी आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स भी है। बता दें कि यह आनंद राठी ग्रुप की कंपनी है, जो शेयर ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म है।

किन कंपनियों को मिली मंजूरी- आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स के अलावा प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स, एसएसएफ प्लास्टिक्स इंडिया, गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी और ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इन पांचों कंपनियों ने इस साल जनवरी से अप्रैल के बीच आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे।

आईपीओ की डिटेल- प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की इकाई प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स 2,700 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आएगी। इसमें 1,700 करोड़ रुपये के नए शेयर और 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी। आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू पर आधारित होगा।

56 पर आ गया 290 वाला टीटीएमएल का शेयर

भारी कर्ज में कंपनी, लगातार करा रहा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड यानी टीटीएमएल के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर में आज 2 प्रतिशत तक गिरकर 56.75 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक खबर है। दरअसल, कंपनी में मैनेजमेंट लेवल पर कुछ बदलाव हुए हैं। इसका असर शेयर पर निगेटिव पड़ा है। बता दें कि कंपनी के शेयर साल 2022 में 290 के भाव पर थे। पांच साल में कंपनी के शेयर 1600 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं।

क्या है डिटेल

कंपनी ने शेयर बाजार को गैर-कार्यकारी गैर-स्वतंत्र निदेशक के इस्तीफे की सूचना दी है। इसके अलावा, अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी गैर-स्वतंत्र) की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी है। बता दें कि कंपनी कर्ज फ्री नहीं है। यह सेक्टर में भारी बोझ के साथ आपरेट कर रही है।

लाखों करोड़ रुपये के त्नक्र ड्यूज के चलते लगातार घाटे में है। कंपनी निगेटिव नेटवर्थ और कर्ज से भरे बैलेंस शीट के साथ काम कर रही है। कंपनी ने जून तिमाही में 324.98 करोड़ का नेट घाटा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष क्यू1 एफवाय2025 में 323.40 करोड़ के घाटे से लगभग 0.5 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान ऑपरेशनल राजस्व 284.25 करोड़ रहा, जो एक वर्ष पहले की तुलना में करीब 12.13 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। कंपनी की कुल आय में लगभग

12.5 प्रतिशत की कमी आई, जबकि खर्चों में कटौती करते हुए उन्हें 139.55 करोड़ पर लाया गया, जो पिछले वर्ष की 188.64 करोड़ के मुकाबले काफी कम था।

क्या है कंपनी का कारोबार

बता दें कि टीटीएमए एक भारतीय टेलीकॉम कंपनी है जो टाटा ग्रुप की एक सहायक कंपनी है। यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र (मुंबई को छोड़कर) और गोवा क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करती है। टाटा टेली बिज़नेस सर्विसेज के अंतर्गत छोटे, मझोले और बड़े व्यवसायों को विभिन्न प्रकार की एंटरप्राइज समाधान सेवाएं जैसे क्लाउड कम्युनिकेशन, इंटरनेट कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और ढ्ढश्य्ञ सेवाएं देती है। कंपनी का मुख्य फोकस क्च2क्र सेवाओं पर है और यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने में मदद करती है। स्टॉक मार्केट में टीटीएमएल के शेयर काफी चर्चा में रहते हैं, खासकर जब इसमें अचानक तेजी या गिरावट आती है। निवेशकों को इस कंपनी में निवेश करने से पहले इसके वित्तीय प्रदर्शन, बाज़ार की स्थिति और दीर्घकालिक रणनीति का अच्छी तरह से विश्लेषण करना चाहिए।

200 रुपये बढ़ा सोने का दाम

चांदी की कीमत में भी बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉकिस्टों की मजबूत खरीदारी के बीच बुधवार को राजधानी में सोने का भाव 200 रुपये बढ़कर 99,020 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव बुधवार को 100 रुपये बढ़कर 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 1,12,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि बुधवार को सोने में मध्यम सकारात्मक रुख रहा। सुरक्षित निवेश की मांग जारी रहने से कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी आई।

टैरिफ अनिश्चितताओं ने जोखिम को बढ़ाया- गांधी ने कहा कि इस टैरिफ संबंधी अनिश्चितता ने कीमती धातुओं पर जोखिम प्रीमियम बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी दिन में बाद में फेडरल रिजर्व के सदस्यों के भाषणों पर नजर रखेंगे।

- **ट्रंप ने दवा आयात पर टैरिफ लगाने की धमकी दी-** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दवा आयात पर नए टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि टैरिफ की शुरुआत कम होगी, लेकिन समय के साथ यह 250 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इसके अलावा ट्रम्प ने संकेत दिया कि सेमीकंडक्टर और चिप्स पर टैरिफ के संबंध में घोषणा जल्द ही की जाएगी।

- **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरे सोने–चांदी के दाम–** न्यूयॉर्क में सोना हाजिर 17.51 डॉलर या 0.52 प्रतिशत गिरकर 3,363.35 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी हाजिर 0.12 प्रतिशत गिरकर 37.76 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।
- **डॉलर सूचकांक में आई तेजी**–एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (कमोडिटी एवं करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतें 3,360 डॉलर प्रति औंस से नीचे कमजोर रुख के कारण सोने की कीमतें कमजोर रहीं। डॉलर सूचकांक में पिछले कुछ दिनों में सकारात्मक तेजी देखी गई।

मंहगाई बढ़ने से सोन की कीमतों को समर्थन मिलने की उम्मीद

अबांस फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ चिंतन मेहता ने कहा कि व्यापार तनाव लगातार बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने धमकी दी है कि अगर यूरोपीय संघ अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहता है तो वे उस पर 35 प्रतिशत तक टैरिफ लगा देंगे। उन्होंने कहा कि इस बीच, निवेशक अन्य देशों के साथ अमेरिका की व्यापार वार्ता पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, क्योंकि कोई भी नया टैरिफ अर्थव्यवस्था पर और अधिक दबाव डाल सकता है। इससे मुद्रास्फीति बढ़ सकती है और बदले में सोने की कीमतों को समर्थन मिल सकता है।

20 के नीचे ट्रेड कर रहा मुकेश अंबानी का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार बिकवाली मोड में है। इस माहौल के बीच टेक्सटाइल सेक्टर की कंपनी-आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर को भी बेचने की होड़ मच गई। सप्ताह के तीसरे दिन यह शेयर 2 पर्सेंट से ज्यादा टूट गया और भाव 20 रुपये से कम पर है। इस बीच, कंपनी ने वार्षिक आम बैठक की तारीख का भी ऐलान किया है।

कब होने वाली है बैठक- आलोक इंडस्ट्रीज ने वार्षिक आम बैठक का ऐलान किया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि वार्षिक आम बैठक गुरुवार, 4 सितंबर, 2025 को होगी । यह बैठक शाम 4ः00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से आयोजित की जाएगी।

शेयर का परफॉर्मेंस- आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर 18.87 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 18.40 रुपये के निचले स्तर तक आ गया। कारोबार के अंत में शेयर 1.85 प्रतिशत टूटकर 18.52 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। अप्रैल 2025 में शेयर की कीमत 13.90 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का हाई 29.77 रुपये है। यह भाव अगस्त 2024 में था। इस बीच, बुधवार को सेंसेक्स 166.26 अंक टूटकर 80,543.99 अंक पर और निफ्टी 75.35 अंक के नुकसान से 24,574.20 अंक पर बंद हुआ।

कंपनी के बारे में- 1986 में वजूद में आई आलोक इंडस्ट्रीज एक टेक्सटाइल कंपनी है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। कपास और पॉलिएस्टर, दोनों ही क्षेत्रों में इसकी मजबूत उपस्थिति है। कपास क्षेत्र में, कंपनी कताई से लेकर बुनाई, प्रोसेसिंग, तैयार कपड़े, चादरें, तौलिए और परिधानों तक एकीकृत है।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया।

उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया। यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था। सुआरेज का यह असिस्ट ऐतिहासिक रहा। इस असिस्ट के साथ उन्होंने क्लब के लिए एक सीजन में सर्वाधिक 15 असिस्ट के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 3-1 के स्कोर के साथ इंटर मियामी ने लीग्स कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

नेशनल बैंक ओपनः

कनाडा की युवा खिलाड़ी मबोको फाइनल में पहुंचीं, रिबाकिना को हराया; अब ओसाका से सामना

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। मबोको का सामना जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन को 6-2, 7-6 (7) से हराया। 85वीं रैंकिंग की मबोको अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर खिताब की तलाश में उतरेंगी। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया मबोको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 18 साल की मबोको ने रिबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 (4) से मात दी। मबोको ने तीसरे सेट में मैच प्वाइंट बचाया और दो बार रिबाकिना की सर्विस तोड़कर सेट टाईब्रेकर में पहुंचाया।

मबोको का सामना अब जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन को 6-2, 7-6 (7) से हराया। 85वीं रैंकिंग की मबोको अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर खिताब की तलाश में उतरेंगी। अगर मबोको खिताब जीतने में सफल रहीं तो वह ओपन एरा में घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाली कनाडा की तीसरी खिलाड़ी होंगी। कनाडा के लिए फेय अर्बन (1969) और बियांका आंद्रेस्कू (2019) में ऐसा कर चुकी हैं। मबोको ने कहा, अभूतपूर्व मैच। जिन्होंने मेरा समर्थन किया उन सभी को धन्यवाद। यह काफी कठिन मैच था, लेकिन सब कुछ संभव है।

अंडर 22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिपः

नीरज, ईशान, यात्री और प्रिया फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। नीरज (पुरुष, 75 किलोग्राम) और ईशान कटारिया (पुरुष, 90+ किलोग्राम), यात्री पटेल (महिला, 57 किलोग्राम), प्रिया (महिला, 60 किलोग्राम) ने बुधवार को बैंकॉक में अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। नीरज ने अपनी स्पीड और काउंटर अटैक का फायदा उठाते हुए दक्षिण कोरिया के क्योंघो बैंग को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद ईशान कटारिया भी फाइनल में पहुंचे, जहां उन्होंने अपने लंबे कद और दमदार मुक्कों के साथ चीन के चेन चेन पर दबदबा बनाया। आलम यह रहा कि चीनी मुक्केबाज को बुरी तरह पिटता देखकर रेफरी को तीसरे राउंड में मुकाबला रोकना पड़ा। यात्री पटेल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं।

उन्होंने लेफ्ट-राइट पंच के कॉम्बिनेशन का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए वियतनाम की थी नुंग क्वांड को 57 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। कुछ मिनट बाद, प्रिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की ओडिनाखोन इस्मोइलोवा को शिकस्त देकर महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है। भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में कुल 40 मुक्केबाजों को उतारा है, जिसमें घरेलू स्तर पर प्रभावित करने वाली युवा प्रतिभाओं और अनुभवी चैंपियंस का बेहतरीन संयोजन देखने को मिल रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचे चार अन्य भारतीय मुक्केबाजों में रॉकी चौधरी दुर्भाग्यशाली रहे। उन्हें ईरान के सैम एस्ताकी के खिलाफ बाउट में दोनों भौहों पर कट लगा। इसके चलते रेफरी ने उन्हें दूसरे राउंड में मुकाबला जारी रखने की अनुमति नहीं दी। वहीं, हर्ष (60 किलोग्राम) और मयूर (90 किलोग्राम) ने अपने-अपने मुकाबलों में पूरा दमखम दिखाया, लेकिन जजों के विभाजित फैसले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हर्ष को उज्बेकिस्तान के शोहरूह अब्दुमालिकोव से 1-4 से हार मिली, जबकि मयूर को उसी देश के शखजोद पोल्वोनोव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अन्य भारतीय मुक्केबाज अंकुश को कजाकिस्तान के सानझर-अली बेगालियेव के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, यह चारों मुक्केबाज कांस्य पदक के साथ देश लौटेंगे।

भावना शर्मा अपनी क्वार्टरफाइनल की फॉर्म को दोहरा नहीं सकीं। उन्हें महिलाओं के 48 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान की रोबियाखोन बख्तियोरोवा से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। उनके अलावा पार्थवी ग्रेवाल (60 किलोग्राम), प्रांजल यादव (65 किलोग्राम) और श्रुति (75 किलोग्राम) भी अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले हार गईं। उन्होंने कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता का समापन किया।

शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामित किए गए हैं। इसमें जुलाई 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। नॉमिनेट किए गए खिलाड़ियों में गिल के अलावा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली।

कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए गिल ने स्थिरता और आक्रामक स्वभाव का मिश्रण दिखाया। फैंस उन्हें विराट कोहली का उत्तराधिकारी मान रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की।

वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। दूसरी ओर, मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की संयमित पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली। यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 15.28 की औसत से सात विकेट लिए। ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

धोनी ने सीएसके के साथ भविष्य पर बड़ा बयान दिया, यह चेन्नई के लिए अच्छा है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हो रही है। आईपीएल 2025 के दौरान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने एक बार फिर टीम की कप्तानी संभाली, लेकिन पूरा सीजन धोनी के संन्यास की अफवाहों से भरा रहा। हालांकि खुद धोनी या फ्रैंचाइजी ने इस पर कुछ नहीं कहा। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज से एक बार फिर उनके सीएसके में भविष्य के बारे में पूछा गया और उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब दिया। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है, लेकिन अगर

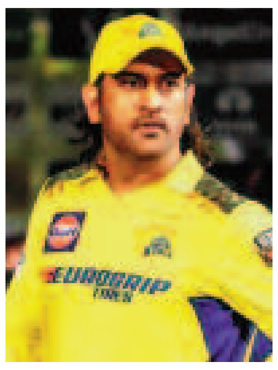

आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं, तो मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और टीम हम साथ हैं। आप जानते हैं, अगले 15-20 सालों तक भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें नहीं लगता कि मैं अगले 15-20 साल और खेलूंगा।

धोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही सीएसके का हिस्सा रहे हैं और उनकी कप्तानी में उन्होंने रिकॉर्ड 5 बार खिताब जीता है। धोनी ने टीम के साथ अपने रिश्ते और टीम व शहर के साथ अपने संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह रिश्ता और मजबूत हुआ है। इसने मुझे एक व्यक्ति के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। इसने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर बनाने में मदद की। सीएसके बस यूं ही बन गया। मुझे लगता है कि यह चेन्नई के लिए अच्छा है। इसलिए, आज यह मेरे लिए भी अच्छा है।

वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया

अल्जारी जोसेफ को आराम, शेफर्ड की वापसी; पाकिस्तान से पहला मैच 8 अगस्त को

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। इस बार तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आराम दिया गया है, जबकि ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड की वनडे टीम में वापसी हुई है।

अल्जारी जोसेफ को इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी आराम दिया गया था। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें लगातार ब्रेक दे रहा है। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में वनडे मैच खेला था। इस साल इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे। वेस्टइंडीज की नजर 2027 वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन पर वेस्टइंडीज फिलहाल वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और उनकी नजर 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर है। टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा,पाकिस्तान एक अलग तरह की चुनौती है। उनके खिलाफ खेलने से हमें अहम रैंकिंग अंक मिल सकते हैं जो वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए जरूरी हैं।

- **वेस्टइंडीज वनडे टीमः** शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रू, जेडियाह ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रॉस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, आमिर जंगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, इविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

जेडियाह ब्लेड्स को टीम में किया गया है शामिल अल्जारी जोसेफ की जगह 23 वर्षीय लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को मौका मिला है। ब्लेड्स ने अभी तक सिर्फ 1 वनडे और 4 टी-20 मैच खेले हैं और वे नई गेंद से स्विंग कराने में सक्षम हैं।

लगा कंधा उखड़ जाएगा...

क्रिस वोक्स ने बताई ओवल टेस्ट की पीड़ा

बोले- शुभमन गिल की बात ने दिल जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पेसर क्रिस वोक्स ने भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी की थी. द गार्जियन से बातचीत में वोक्स ने उस पल में हुई तकलीफ और भावनाओं को साझा किया. उन्होंने बताया कि भारत के कप्तान शुभमन गिल ने उनकी हिम्मत की तारीफ की थी.

वोक्स ने बताया- पहला शॉट सबसे दर्दनाक था. मैंने सिर्फ कोडीन ली थी और कंधा बहुत दुख रहा था. फिर भी जब रन लेने की कोशिश की तो आदतन दौड़ पड़ा, जबकि हाथ बंधा हुआ था. उस वक्त सच में लगा कि कहीं कंधा फिर से बाहर न निकल गया हो. इसलिए आपने मुझे हेलमेट फेंकते, दांतों से ग्लव्स उतारते और कंधा चेक करते हुए देखा होगा.

आखिरी में एटकिन्सन बोल्ड हो गए और वोक्स को खेलने का मौका नहीं मिला. लेकिन फिर भी दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई, भारतीय टीम ने भी सम्मान दिखाया. मैच के बाद शुभमन गिल खुद वोक्स के पास आए. शुभमन गिल ने क्रिस वोक्स की बल्लेबाजी के बारे में क्या कहा? वोक्स ने कहा- शुभमन ने मुझसे कहा- ये बहुत बहादुरी भरा था. मैंने उसे जवाब दिया- तुम्हारी सीरीज शानदार रही, बहुत अच्छा

खेला, और तुम्हारी टीम को भी क्रेडिट. वोक्स ने ये भी कहा कि अब भी बहुत निराश हूं कि वो फिनिश नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी. लेकिन मैदान पर ना जाना कभी सोचा भी नहीं, चाहे जीत के लिए 100 रन भी बाकी होते. दर्शकों की तालियों ने अच्छा महसूस कराया और कुछ भारतीय खिलाड़ी भी सम्मान देने के लिए पास आए, लेकिन कोई और होता तो वो भी ऐसा ही करता. आप नौ विकेट पर मैच छोड़ नहीं सकते.

वोक्स को ओवल टेस्ट में कैसे चोट लगी थी - क्रिस वोक्स को पहले दिन फील्डिंग करते समय कंधे में चोट लगी थी और इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया. लेकिन जब इंग्लैंड के नौ विकेट गिर गए और जीत के लिए 17 रन चाहिए थे, तब वोक्स पट्टी बंधे कंधे के साथ मैदान पर उतरे. ओवल के दर्शकों ने तालियों बजाकर उनका स्वागत किया. वो गस एटकिंसन का साथ देने उतरे थे.

क्या भारत की टी-20 टीम में केएल राहुल की होगी वापसी? 493 विकेट वाले पूर्व खिलाड़ी ने चयनकर्ताओं को लेकर कही बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम को अब टी20 क्रिकेट पर फोकस करना है। सितंबर में एशिया कप होना है। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति जल्द ही इस टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करेगी। चयनकर्ताओं के लिए टीम का चयन आसान नहीं होने वाला है। भारत की टी20 टीम की बात करें तो बीते कुछ समय में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने मौके को दोनों हाथों से लपका है। एशिया कप से पहले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर की वापसी की मांग तेज हो गई है। इस बीच भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने गिल और श्रेयस के अलावा केएल राहुल की टी20 टीम में वापसी की मांग कर दी है। 493 विकेट वाले कर्नाटक के पूर्व खिलाड़ी ने कहा है कि भारत की टी20 टीम चुनने में चयनकर्ताओं को सिरदर्दी होने वाली है।

3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर

डोडा गणेश ने एक्स पर कहा, चयनकर्ताओं को श्रेयस अय्यर, गिल और केएल राहुल को टी20 टीम में शामिल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। राहुल की बात करें तो वह लगभग 3 साल से भारत की टी20 टीम से बाहर हैं। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से इस फॉर्मेट में भारत के लिए नहीं खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वह आखिरी बार खेले थे।

राहुल की वापसी मुश्किल

केएल राहुल के बगैर भारतीय टीम 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भी टीम से बाहर हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने मौके का भरपूर फायदा उठाया है। ऐसे में राहुल की टी20 टीम वापसी काफी मुश्किल है। भारतीय टीम जिस टैम्पलेट पर टी20 क्रिकेट खेल रही है उसमें दाएं हाथ का बल्लेबाज शायद ही फिट हो।

श्रेयस अय्यर को मिलने वाली है खुशखबरी, सामने आई बड़ी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर आईपीएल के बाद से क्रिकेट के मैदान पर काफी कम दिखाई दिए हैं, अब खबरे हैं कि ये खिलाड़ी एशिया कप में नजर आएगा. रिपोर्ट्स हैं कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया में मौका दे सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त के तीसरे या चौथे हफ्ते में एशिया कप के लिए टीम इंडिया का चयन होगा, इसके साथ-साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम चुनी जाएगी और इन दोनों ही टीमों में श्रेयस अय्यर को मौका मिलने वाला है. श्रेयस अय्यर इसलिए एशिया कप और टेस्ट फॉर्मेट में वापसी के बड़े दावेदार हैं क्योंकि टीम को अनुभव की जरूरत है. अय्यर हैं तो तीस साल के लेकिन उन्होंने काफी ज्यादा क्रिकेट खेला है. उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के प्रेशर का भी अनुभव है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अय्यर एशिया कप में मिडिल ऑर्डर में खेलते दिख सकते हैं (

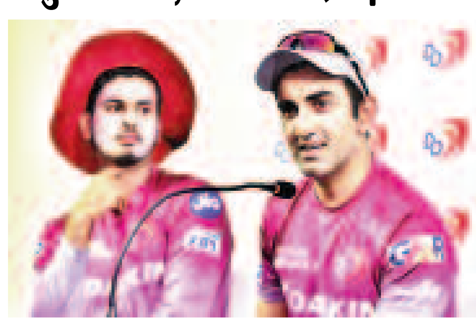

श्रेयस अय्यर ने रन भी खूब बनाए हैं

श्रेयस अय्यर ने अपनी बैटिंग से भी सेलेक्टर्स को उन्हें चुनने के लिए मजबूर सा कर दिया है. इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 में कमाल ही कर दिखाया. टूर्नामेंट में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए. अय्यर की बैटिंग एवरेज भी 50 से ज्यादा की रही. उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल फाइनल तक पहुंची लेकिन खिताबी जंग में उसे आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा.

एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं मृणाल और धनुष? ऐसे शुरू हुई लव स्टोरी

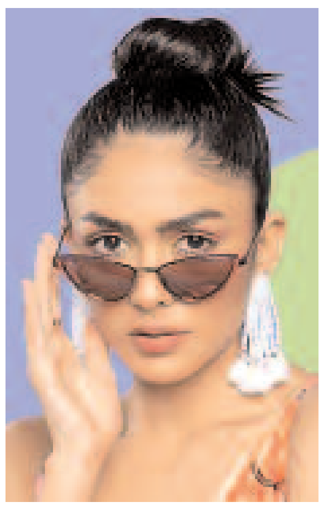

इन दिनों मृणाल ठाकुर और धनुष बी-टाउन का हॉट टॉपिक बने हुए हैं। वजह है दोनों के अफेयर की खबरें। पिछले कुछ वक्त से दोनों के एक-दूसरे के प्यार में होने की खबरें एंटरटेनमेंट जगत के गलियारों में छाई हुई हैं। हाल ही में 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के सामने आए एक वीडियो ने इन दोनों के अफेयर की खबरों को और भी हवा दे दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए में धनुष अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़े दिख रहे हैं। जबकि वहीं मृणाल भी वीडियो में धनुष के कान में कुछ गुफ्तगू करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दोनों सितारे एक-दूसरे के काफी क्लोज और खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजंस दोनों के अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा करने लगे। हालांकि, अभी तक ये सिर्फ चर्चाएं ही हैं।

सूत्र ने की दोनों की डेटिंग की पुष्टि

हालांकि, इन अफवाहों के बीच अब एक सूत्र ने यह पुष्टि की है कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। इस सूत्र के हवाले से न्यूज 18 शोशा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि हां, यह सच है कि वे डेटिंग कर रहे हैं। लेकिन यह अभी बहुत नया है और वे अपने रिश्ते को अभी ऑफिशियल नहीं करना चाहते हैं। साथ ही दोनों बाहर घूमने-फिरने और देखे जाने से भी बेफिक्र हैं। दोनों के दोस्त इनके साथ आने से काफी पसंद हैं। क्योंकि इन दोनों के विचार, इनके एथिक्स और इनकी सोच काफी हद तक मिलती हैं।

बॉलीवुड के साथ साउथ में लगातार काम कर रही हैं मृणाल

मृणाल ठाकुर इन दिनों बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री में भी लगातार काम कर रही हैं। 'सीता रामम' की सफलता ने मृणाल के लिए साउथ में भी दरवाजे खोल दिए हैं। मृणाल वर्तमान में अदिवी शेष के साथ 'डकैत- ए लव स्टोरी' की शूटिंग कर रही हैं। इसके लिए वो मुंबई और हैदराबाद के बीच आना-जाना करती रहती हैं और दक्षिण में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात धनुष से हुई। सूत्र ने आगे बताया कि पहले उनकी दोस्ती हुई फिर बाद में वो दोस्ती प्यार में बदल गई।

अभिनेत्री श्वेता मेनन पर लगा अश्लीलता फैलाने का आरोप, फिल्मों-विज्ञापनों को लेकर दर्ज हुआ केस

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता मेनन इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं, हालांकि इसकी वजह उनकी कोई फिल्म या प्रोफेशनल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक कानूनी विवाद है। दरअसल अभिनेत्री पर अश्लीलता फैलाने के गंभीर आरोप लगे हैं, जिनके चलते उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

एक्ट्रेस पर अश्लील सीन करने के आरोप

ये मामला एर्नाकुलम सेंट्रल पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है, जिसमें अभिनेत्री पर कुछ फिल्मों और विज्ञापनों में अश्लील और नग्न अवस्था में सीन दिखाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता मार्टिन मेनाचेरी ने कोर्ट में याचिका दायर कर ये दावा किया कि श्वेता ने पैसा कमाने के लिए फिल्मों और विज्ञापनों में आपत्तिजनक सीन किए, जिनका प्रसार बाद में सोशल मीडिया और एडल्ट वेबसाइट्स के जरिए से किया जा रहा है।

किन फिल्मों के लिए गिरी गाज?

अभिनेत्री की फिल्मों रथिनिर्वेदम, पलेरी मणिक्यम- एक मिडनाइट मर्डर मिस्ट्री और कलीमण्णू में उनके द्वारा निभाए गए बोल्ड किरदारों को भी इस विवाद का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा एक कंडोम के एक विज्ञापन में भी उनकी मौजूदगी को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं।

शिकायत में ये आरोप भी शामिल है कि इन कंटेंट्स से युवाओं पर बुरा प्रभाव पड़ा और ये समाज में गलत संदेश फैलाते हैं। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर प्रोहिबिशन ऑफ ऑब्सीनिटी एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

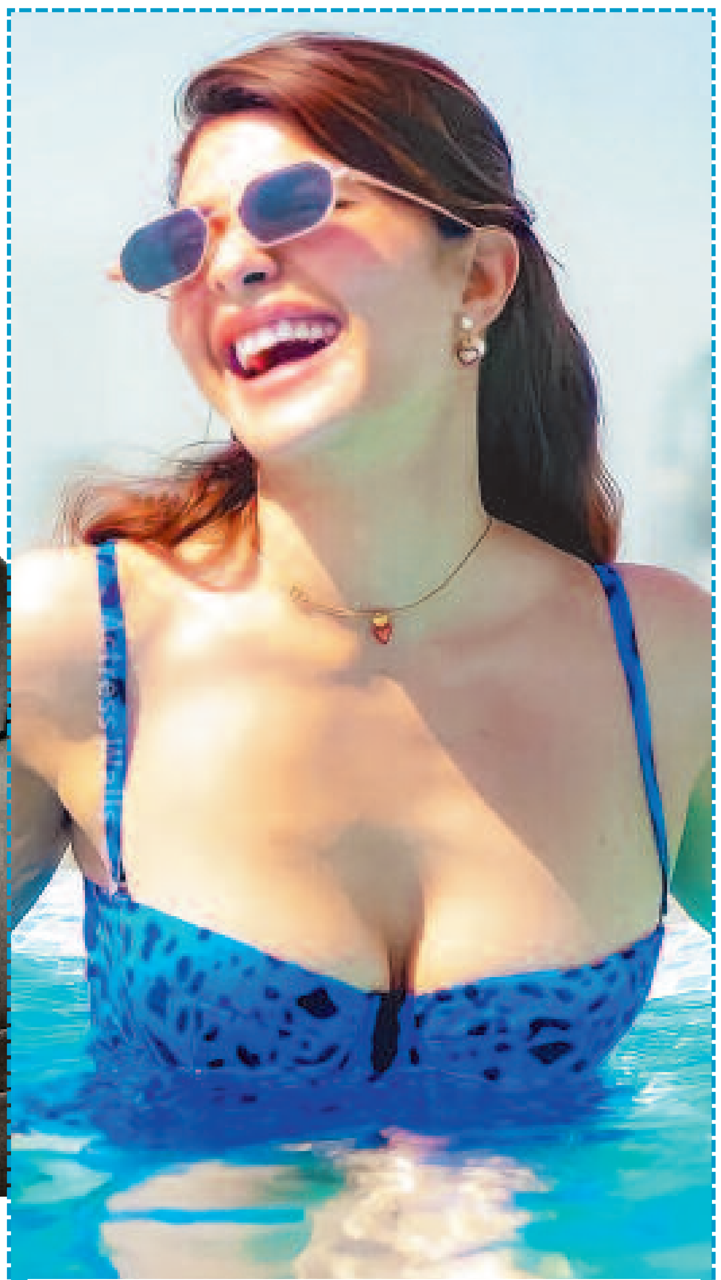

जैकलीन के पोल वर्कआउट मूव्स से बनाएं खुद की फिटनेस

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिटनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं। पहले अदाकारा के लिए खूबसूरती ही सबसे महत्वपूर्ण होती थी, लेकिन अब फिटनेस भी उतनी ही जरूरी हो गई है। दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, शिल्पा शेट्टी और मलाइका अरोड़ा रोजाना वर्कआउट और हेल्दी डाइट से अपने शरीर को फिट रखती हैं। ये सिर्फ जिम तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि योग, पिलाटेस और अब पोल वर्कआउट जैसे कई वर्कआउट्स अपनाकर अपनी फिटनेस को बनाए रखती हैं।

फिटनेस सिर्फ शरीर की खूबसूरती नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। फिटनेस की बात हो, तो जैकलीन फर्नांडीज का नाम जरूर लिया जाता है। वह न केवल अपनी एक्टिंग बल्कि अपनी बेहतरीन फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। जैकलीन की पसंदीदा एक्सरसाइज पोल वर्कआउट है। वह अक्सर इंस्टाग्राम पर पोल वर्कआउट के वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। हाल ही में जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोल वर्कआउट का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह पोल पर अलग-अलग मूव्स करती दिखाई दे रही थीं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पूरी ताकत और ट्रेनिंग। बेहद मुश्किल, लेकिन एक बार करने के बाद यह सब सार्थक हो जाता है। अब बात करें, अगर पोल वर्कआउट की, तो यह न केवल एक डांस फॉर्म है, बल्कि एक संपूर्ण बॉडी वर्कआउट भी है, जो ताकत, लचीलापन, और संतुलन को सुधारने में मदद करता है। अमेरिका नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, पोल वर्कआउट शरीर के सभी हिस्सों को मजबूत बनाने के लिए एक प्रभावी तरीका है। पोल के सहारे शरीर को कई मुद्राओं में घुमाना, संतुलन बनाए रखना और फ्लेक्सिबल मूव्स करना होता है। यह व्यायाम शरीर के कई मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिनमें बाजू, कंधे, पीठ, कोर और पैर शामिल हैं। पोल वर्कआउट करने के लिए सबसे पहले शारीरिक ताकत और लचीलेपन की आवश्यकता होती है, साथ ही संतुलन का अभ्यास भी जरूरी होता है। इसमें शरीर का पूरा वजन पोल पर रखा जाता है, जिससे मसल्स पर तनाव बढ़ता है और धीरे-धीरे उनकी मजबूती बढ़ती है। यह एक तरह से कैलिस्थेनिक्स का हिस्सा है। इसमें शरीर के अंगों को अलग-अलग दिशा में मोड़ना होता है, जिससे मसल्स स्ट्रेच होते हैं और लचीलापन बढ़ता है। साथ ही, यह वजन घटाने में भी मददगार साबित होता है। इस वर्कआउट के दौरान शरीर की कैलोरी बर्न होती है और फैट कम होता है। यह वर्कआउट जितना चैलेंजिंग होता है, उतना ही असरदार भी है। आजकल पोल वर्कआउट की लोकप्रियता बढ़ रही है, खासकर उन लोगों के बीच जो एक साथ ताकत, लचीलापन और कार्डियो फिटनेस चाहते हैं। यह एक एंटरटेनिंग और चैलेंजिंग तरीके से शरीर को टोन करने का बेहतरीन तरीका है।

वरुण धवन ने बॉर्डर 2 का अमृतसर शेड्यूल पूरा किया

अभिनेता वरुण धवन ने अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर-2 की अमृतसर की शूटिंग खत्म कर ली है। बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर अमृतसर सेट से रैप-अप पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में निर्माता भूषण कुमार, अभिनेत्री मेधा राणा और वरुण धवन नजर आ रहे हैं, वहीं अभिनेता वरुण धवन केक काटते हुए कह रहे हैं, शूटिंग खत्म हुई, भारत माता की जय। फिल्म बॉर्डर-2 में अभिनेत्री मेधा राणा वरुण संग खास रोल में नजर आएंगी। वहीं, कुछ समय पहले निर्माता भूषण कुमार ने फिल्म में अभिनेत्री के चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, हमें फिल्म में एक ऐसी लड़की चाहिए थी जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके।

मिर्जापुर की गोलू ने मुंबई में खरीदा करोड़ों का घर

मिर्जापुर की गोलू गुप्ता यानी श्वेता त्रिपाठी ने मुंबई में रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। श्वेता से पहले कई बॉलीवुड स्टार्स रियल एस्टेट में इन्वेस्ट कर चुके हैं। कोई घर खरीद रहा है तो कोई बेच रहा है। अब श्वेता

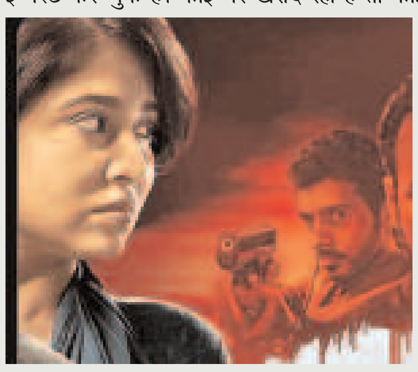

त्रिपाठी ने एक 3ब्र्ाय अपार्टमेंट खरीदा है, जो मुंबई के चेंबूर में स्थित है। यह एरिया मुंबई के तेजी से विकसित हो रहे रेजिडेंशियल एरिया में से एक है। श्वेता त्रिपाठी के इस नए अपार्टमेंट की कीमत 3 करोड़ रुपये है। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स को मिले डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, यह प्रॉपर्टी सुप्रीम बुलेवार्ड बिल्डिंग की 9वीं फ्लोर पर स्थित है। इस बिल्डिंग का डेवलपर सुप्रीम यूनिवर्सल ने निर्माण किया है। इसमें 938 स्क्वायर फुट यूजेएबल एरिया है।

15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी, 30 हजार का रजिस्ट्रेशन शुल्क

श्वेता त्रिपाठी के इस अपार्टमेंट का रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई को किया गया। इसके लिए एक्ट्रेस ने 15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई। हालांकि, श्वेता ने स्टांप स्टाम्प ड्यूटी में महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी जाने वाली छूट का लाभ उठाया। उन्हें दो कार पार्किंग भी मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 32,000 रुपये प्रति स्क्वायर फुट है। श्वेता त्रिपाठी के करियर की बात करें, तो वह पहली बार फिल्म मसान से चर्चा में आई थीं, जिसमें उन्होंने विक्की कौशल की गर्लफ्रेंड का रोल प्ले किया था। उन्होंने कई विज्ञापन और साउथ की फिल्में भी कीं, पर स्टारडम वेब सीरीज मिर्जापुर से मिला। श्वेता ने और भी कई प्रोजेक्ट्स किए हैं, पर असल जिंदगी में लोग उन्हें मिर्जापुर की गोलू गुप्ता के किरदार से जानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिर्जापुर के लिए श्वेता त्रिपाठी ने 2.20 लाख रुपये प्रति एपिसोड फीस ली थी। उनकी नेट वर्थ 8 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। श्वेता के पति चैतन्य शर्मा भी एक एक्टर और रैपर हैं। वह भी मोटी कमाई करते हैं। श्वेता त्रिपाठी का एक प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसका नाम बंडरफुल है।

हंसिका मोटवानी का ढाई साल बाद हो रहा तलाक?

हंसिका मोटवानी ने अपनी शादी की सारी तस्वीरें और वीडियो डिलीट कर दिए है, जिसके बाद पति सोहेल कथूरिया संग उनके तलाक की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हंसिका काफी समय से मां के साथ रह रही हैं और पति अपने पैरेंट्स संग शिफ्ट हो चुके हैं। हंसिका मोटवानी ने साल 2022 में सोहेल कथूरिया से शादी की थी, पर ऐसा लगता है कि उनका तलाक होने वाला है। उनकी शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। हंसिका और सोहेल कथूरिया की शादी में दरार की काफी समय से खबरें आ रही थीं, और अब एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से अपनी शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। इससे तलाक की खबरें तेज हो रही हैं। हंसिका मोटवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पति सोहेल कथूरिया संग शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी इस पर कपल की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है, लेकिन एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हंसिका और सोहेल शादी के दो साल बाद से ही अलग रह रहे हैं। हंसिका अब मां के साथ रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम से अपनी शादी का वीडियो भी डिलीट कर दिया है।

हंसिका मोटवानी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं, लेकिन 18 जुलाई 2025 से उन्होंने कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है। वह पूरी तरह इनएक्टिव हैं, जिसने तलाक की अफवाहों को और हवा दे दी है। फैंस का दावा है कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं है। उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें चल रही हैं। वहीं सोहेल कथूरिया ने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट को प्राइवेट कर दिया है। वह साल 2023 से इंस्टाग्राम पर इनएक्टिव हैं।

हंसिका मोटवानी का करियर और आने वाली फिल्म

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह ऋतिक रोशन स्टारर कोई मिल गया में नजर आई थीं। वह टीवी शो शाका लाका बूम बूम का भी हिस्सा रहीं। कई साल से वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। साल 2024 में हंसिका तेलुगू फिल्म में नजर आईं। अब वह नशा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग चल रही है।

मां के साथ रह रहीं हंसिका, पैरेंट्स संग शिफ्ट हुए सोहेल कथूरिया

हाल ही खबरें आई थीं कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया साथ नहीं रह रहे हैं। जहां हंसिका मां के साथ रह रही हैं, वहीं पति सोहेल अपने पैरेंट्स के साथ रहने चले गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हंसिका शादी के बाद दिसंबर 2022 से ससुरालवालों के साथ रहने लगी थीं, पर वह परिवार में एडजस्ट नहीं कर पा रही थीं। इसलिए सोहेल और हंसिका ने उसी बिल्डिंग में अलग फ्लैट ले लिया, जिसमें ससुरालवाले रह रहे थे। और अब खबर है कि हंसिका और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मतभेद काफी बढ़ गए हैं। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी खूब आलीशान तरीके से हुई थी और काफी चर्चा में रही थी। यह शादी जयपुर के एक किले में हुई थी। सोहेल कथूरिया की हंसिका मोटवानी से दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी रिंकी बजाज से हुई थी, जो हंसिका मोटवानी की अच्छी दोस्त हैं।

साभार एजेंसी